शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 152 | गुवाहाटी | मंगलवार, 31 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संदेशखाली में दिदी बनकर पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पेज 2
बोड़ोलैंड यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन से छात्रों को मिल रहा लाभ पेज 3
रेलवे ट्रैक पर किसानों के बैठने की वजह से 163 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा पेज 5
ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 184 रन से हराया, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल... पेज 7

## बीटीआर के विजन डॉक्यूमेंट का उद्घाटन

### राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने बोड़ो शांति समझौते को सराहा

*बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र की सरकार बीटीआर के सामुदायिक विजन दस्तावेज का उद्घघाटन कर हिंदी भाषी समुदाय के दस्तावेज को पढ़ते हुए असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य। इस कार्यक्रम में शामिल हुए पत्रकार एवं विशिष्ठ अतिथि गण। सामुदायिक विजन दस्तावेज पर विस्तृत जानकारी देते हुए बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो। शरणिया कछारी समुदाय को सामुदायिक विजन दस्तावेज भेंट करते लोकसभा सांसद जयंत बसुमतारी एवं विकसित भारत समाचार के संपादक राकेश शर्मा। फोटो : दशरथ डेका।*

**गुवाहाटी।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 30 दिसंबर को बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के सामुदायिक विजन डॉक्यूमेंट को लॉन्च किया, जिसमें बीटीआर के साथ-साथ असम में विकास की शुरुआत करने के लिए बोड़ो शांति समझौते की सराहना की गई। राज्यपाल ने कहा कि चार साल पहले हस्ताक्षरित शांति समझौते ने क्षेत्र में समुदायों के बीच हिंसा, हत्याओं और व्यापक घृणा के काले दिनों को समाप्त कर दिया और शांति की उम्मीद जगाई। उन्होंने कहा कि शांति समझौते पर हस्ताक्षर एक ऐतिहासिक घटनाक्रम है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा क्षेत्र में शांति और विकास लाने के लिए की गई पहल है। आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा की गई पहल को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने आगे बढ़ाया। त्रिपक्षीय बोड़ो शांति समझौते पर 27 जनवरी, 2020 को केंद्र, राज्य सरकार और विभिन्न बोड़ो समूहों के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। राज्यपाल ने कहा कि बीटीआर में युवा मुख्यधारा में लौट आए हैं और पिछले चार वर्षों से क्षेत्र में कोई हिंसा नहीं हुई है क्योंकि सरकार ने शांति, सुरक्षा और विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि बोड़ो के नेतृत्व वाली परिषद ने लोगों को ठीक किया है, रोजगार प्रदान करने और क्षेत्र में स्थायी शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए विकास शुरू किया है। बीटीआर प्रमुख ने बताया कि सामुदायिक विजन दस्तावेज (सीवीडी) को समावेशिता के सिद्धांतों और बोड़ोलैंड के चार जिलों में रहने वाले सभी समुदायों की साझा आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। बोड़ो ने कहा कि इस दस्तावेज में बीटीआर में बहुसंख्यक बोड़ो जनजातीय आबादी के साथ सह-अस्तित्व में रहने वाले 26 विविध समुदायों की आकांक्षाएं शामिल हैं, जिन्होंने दशकों से विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, क्षेत्र के जीवंत बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में खुद को एकीकृत किया है। उन्होंने कहा कि विजन दस्तावेज 26 समुदायों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र एकता और विविधता की भावना को बनाए रखते हुए शांति और समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि विजन दस्तावेज सिर्फ एक नीतिगत ढांचे से कहीं अधिक है क्योंकि यह बीटीआर में हर समुदाय की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी पीछे न छूटे। बोड़ो ने कहा कि इस क्षेत्र को पिछले कई वर्षों से आर्थिक पिछड़ेपन, युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की कमी और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

**सुप्रभात**

*अस्थिर मन वाले की सोच स्थिर नहीं रहती।*

– **आचार्य चाणक्य**

## कछार के चार गांव बाल विवाह मुक्त घोषित

**सिलचर।** असम बाल विवाह की सामाजिक बुराई को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है, तथा कछार ने इसका उदाहरण प्रस्तुत किया है, जहां जिले के चार गांवों को *बाल विवाह मुक्त* घोषित किया गया है। लड़कियों के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम पूरे राज्य में इस सामाजिक बुराई के ताबूत में आखिरी कील ठोक रहे हैं। बाल विवाह मुक्त घोषित किए गए गांव हैं- रुकनी भाग चार, पालोंघाट विकास -शेष पृष्ठ दो पर

*असम में समान नागरिक संहिता पर मुख्यमंत्री हिमंत बोले –*

## हर एक राज्य नहीं, पूरे देश में लागू होगा यूसीसी

**नई दिल्ली / गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उन्होंने असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए एक बिल का मसौदा तैयार किया था, हर एक राज्य यूसीसी को लागू नहीं करेगा क्योंकि इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा। उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू करने के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड हमारे देश के लिए एक आदर्श है। मैं यूसीसी लागू करने के लिए धामी [सीएम पुष्कर सिंह धामी] को शुक्रिया अदा करने चाहता हूं, जिसके जरिए से उन्होंने देश को आगे का रास्ता दिखाया है। हमें भी आगे बढ़ने के लिए यूसीसी को चुनना होगा। सवाल पूछे जाने कि असम में यह कब लागू होगा। शर्मा ने कहा कि हमारा बिल रेडी है। लेकिन, फैसला लिया गया है कि यह पूरे देश में लागू किया जाएगा। इसलिए हम अपने राज्य में अलग तौर पर इसे लागू नहीं करेंगे। सीएम विश्व ने आगे बताया कि जब उन्होंने एक बिल बनाया था, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला लिया गया था कि यूसीसी पूरे देश में लागू किया जाएगा, इसलिए हमें उन्हें राज्य-वार लागू करने की जरूरत नहीं है। उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। इस महीने की शुरुआत में सीएम धामी ने कहा था कि राज्य में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू हो जाएगी और इसके लिए में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मार्च 2022 में राज्य में धामी के नेतृत्व -शेष पृष्ठ दो पर

## सीएम ने राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में श्रमजीवियों की अथक प्रयासों की सराहना की

**गुवाहाटी।** असम के भविष्य को आकार देने वाली श्रम शक्ति की हार्दिक सराहना करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने नूनमाटी-दिघलिपुखुरी फ्लाई-ओवर के निर्माण सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगे श्रमजीवियों के समर्पण की सराहना की। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा करते हुए, मुख्यमंत्री ने विकसित असम के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाने के लिए *टीम असम* के अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला। शर्मा ने कहा कि दिन हो या रात, सर्दी हो या गर्मी, हमारी टीम समय पर और बेहतरीन विकास सुनिश्चित -शेष पृष्ठ दो पर

### न्यूज गैलरी

#### इंफाल में दो प्रिपाक आतंकी गिरफ्तार, भारी मात्रा में मिले हथियार

**इंफाल।** मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में प्रतिबंधित संगठन प्रिपाक के दो आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। पुलिस ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंधित संगठन प्रिपाक के दो आतंकवादियों को जबरन वसूली में उनकी कथित संलिप्तता के लिए मणिपुर के -शेष पृष्ठ दो पर

#### इथियोपिया : नदी में ट्रक गिरने से 66 लोगों की मौत

**इथियोपिया।** अफ्रीकी देश इथियोपिया के एक दूरदराज इलाके में रविवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां ट्रक पुल से नीचे नदी में गिर गया। इस दुर्घटना में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 64 लोगों की मौत तो घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ा। हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रक में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ट्रक पुराना और जर्जर स्थिति में -शेष पृष्ठ दो पर

## तिब्बती पठार और चीन के आधा दर्जन शहरों को निशाना बनाने में सक्षम हुआ भारत

**नई दिल्ली (हि.स.)।** भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। यह हाइपरसोनिक मिसाइल 1500 किमी से अधिक की सीमा के साथ तिब्बती पठार और उससे आगे स्थित चीनी सेना के एयरबेस को निशाना बनाने में भारत को सक्षम बनाएगी। भारत लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करने वाला पहला देश है, जो ध्वनि की गति से आठ गुना अधिक गति से यात्रा कर सकती है। यह मिसाइल वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी में एक गेम-चेंजर है, जो किसी अन्य देश के पास नहीं है। डीआरडीओ के मुताबिक यह अभी तक की सबसे लंबी दूरी की एकमात्र पारंपरिक हाइपरसोनिक मिसाइल है, जिसका परीक्षण 16 नवंबर की देर रात किया गया। यह लगभग 3 किमी प्रति सेकंड की गति से 1,500 किमी से अधिक दूरी तक पारंपरिक और -शेष पृष्ठ दो पर

### बिहार : पीके सहित 21 नामजद, करीब 700 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

**पटना (हि.स.)।** छात्रों को उकसाने और कानून-व्यवस्था भंग करने के आरोप में जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर और पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती सहित कुल 21 नामजद और 600-700 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पटना प्रशासन द्वारा बीती देर रात जारी जानकारी के मुताबिक जनसुराज पार्टी द्वारा गांधी मैदान, गांधी मूर्ति के सामने छात्र संसद के आयोजन के लिए स्वीकृति मांगी गई थी जिसे जिला प्रशासन ने अस्वीकृत -शेष पृष्ठ दो पर

*केजरीवाल का बड़ा एलान*

## सरकार बनने पर पुजारियों और ग्रंथियों को मिलेगा 18 हजार रुपए महीना

**नई दिल्ली (हि.स.)।** आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को *पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना* शुरू करने का एलान किया। इसके तहत उन्होंने वादा किया कि दिल्ली में उनकी पार्टी के दोबारा चुने जाने पर हिंदू मंदिरों के पुजारियों और सिख गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपए का मासिक भत्ता दिया जाएगा। दिल्ली विधानसभा में आआपा के लिए लगातार चौथी बार चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे केजरीवाल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन -शेष पृष्ठ दो पर

**वर्षांत 2024 : देश में बरपा कुदरत का कहर**

## कहीं तूफान तो कहीं बाढ़ ने ली परीक्षा इतिहास का सबसे गर्म साल भी

**नई दिल्ली।** कुछ ही दिन बाद 2024 अलविदा कहने वाला है और नया साल आने वाला है। इस साल से अगर कुछ याद आता है तो इतिहास का सबसे गर्म साल, वायनाड भूस्खलन, चक्रवात फेंगल, तूफान रेमल और कई राज्यों में आई भीषण बाढ़। अगर कहा जाए यह वर्ष भारत के लिए प्राकृतिक आपदाओं का साल रहा, तो कोई झूठ नहीं होगा। खतरनाक आपदाओं की घटनाओं ने कई लोगों की जान ले ली, हजारों बेघर हो गए और कई जगहों पर जनजीवन ठप हो गया।आइए जानते हैं 2024 में सबसे भयानक प्राकृतिक आपदाओं के कहर के बारे में, जिन्होंने पूरे देश को हिला कर रख दिया। भारत में आई आपदाओं के बारे में बात करने से पहले दुनिया के अन्य देशों की भी बात कर लेते हैं। इस साल दुनिया भर में भी भयानक प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिलीं। इटली और दक्षिणी अमेरिका में सूखा पड़ा, जबकि नेपाल, सूडान और यूरोप में बाढ़ ने तबाही मचाई। मैक्सिको, माली और सऊदी अरब में -शेष पृष्ठ दो पर

## कब्रिस्तान से चोरी हो रही थीं इंसानी खोपड़ियां

*सामने आई रोंगटे खड़े कर देने वाली हकीकत*

**हनुमकोंडा (हैदराबाद)।** तेलंगाना के हनुमकोंडा जिले से अजब-गजब खबर सामने आई है। यहां बीते कुछ दिन से कब्रिस्तान में दफन शवों की खोपड़ियां चोरी हो रही थीं। लोगों के बीच इसे जानकर हड़कंप मच गया। लोग इसे तंत्र-मंत्र से जोड़ने लगे। लेकिन जब इसके पीछे की हकीकत सामने आई तो सभी को रोंगटे खड़े हो गए। एक चोर यह खोपड़ियां चुरा रहा था। उसने पुलिस को बताया कि वो इन खोपड़ियों का कहां और क्या इस्तेमाल करता था। चोर ने कहा- यहां रिवाज है कि मरने के बाद शव के मुंह में सोना डाला जाता था। फिर शव को दफनाया जाता है। मैं खोपड़ियां इसलिए चुराता था ताकि खोपड़यों के मुंह से वो सोना निकाल सकूं। फिर उन्हें बेचकर जो पैसा मिलता मैं उनसे परिवार का भरण पोषण करता था। जब इस बात की पुष्टि हो गई कि चोर सोने के लिए खोपड़ियां चुराता था तो उसे डांट-फटकार लगाकर दोबारा ऐसा न करने की शर्त पर छोड़ दिया गया। मामला भीमाराम कब्रिस्तान का है। यहां कुछ समय से लोगों ने गौर किया कि कब्रिस्तान की मिट्टी उखड़ी होती है। बाद में -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# संदेशखाली में *दिदी* बनकर पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

## *महिलाओं को दिया सतर्क रहने का संदेश*

**कोलकाता ( हि.स. )।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को संदेशखाली पहुंचीं। यहां सरकारी कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने 36 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को *दिदी* की तरह समझाया और सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दिदी जो कहती है, वह करती है। याद रखें, संदेशखाली में कुछ भी होता है तो दिदी तक खबर पहुंचने में एक सेकंड भी नहीं लगेगा। मुख्यमंत्री ने सरकारी योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के 20 हजार से अधिक लोगों तक सेवाएं पहुंचाईं। उन्होंने कन्नाश्री, रूपश्री, और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए संदेशखाली के लिए 123 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि सरकार के अधिकारी ही लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचाएंगे और उन्हें कहीं भी जाने या किसी को पैसे देने की जरूरत नहीं है। संदेशखाली इस साल की शुरुआत से ही विवादों में रहा है। जनवरी में यहां तृणमूल नेता शेख शाहजहां के घर ईडी की छापेमारी, और इसके बाद उनकी गिरफ्तारी ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया था। वहीं, महिलाओं पर अत्याचार और शोषण के आरोप भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बने। इन घटनाओं के बावजूद तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में संदेशखाली के तहत आने वाले बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र में बड़ी जीत दर्ज की। हालांकि, संदेशखाली विधानसभा क्षेत्र में पार्टी पिछड़ गई थी। महिलाओं के लिए विशेष संदेशमुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिलाओं को किसी के बुलाने पर जाने से मना किया। उन्होंने कहा कि दुष्ट लोगों के चंगुल में मत फंसें। कोई बुलाए तो मत जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिलाओं को किसी भी सरकारी सेवा के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। क्षेत्रीय विकास के लिए नई घोषणाएंममता बनर्जी ने नदी से घिरे संदेशखाली के लिए नए जेटी बनाने और एक पुल निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय अस्पताल को 30 से 60 बिस्तरों तक विस्तारित करने का निर्देश दिया। गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने अगले साल के जनवरी और फरवरी में *दुआरे सरकार* शिविर लगाने की भी घोषणा की। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि यह सिर्फ संदेशखाली के लिए होगा या अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी। दिदी का भावनात्मक जुड़ावममता बनर्जी ने कहा कि मैं यहां इसलिए आई हूं ताकि आप सभी से जुड़ सकूं। उन्होंने भाजपा और विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस पर महिलाओं के शोषण के आरोप लगाए गए थे।

# बांग्लादेश के बदले सुर, अब 95 भारतीय मछुआरों को करेगा रिहा

**कोलकाता।** बांग्लादेश की जेल से 95 भारतीय मछुआरों की रिहाई होने वाली है। लगभग ढाई महीने पहले बांग्लादेश तट रक्षक ने बांग्लादेश के क्षेत्रीय जल में प्रवेश करने पर बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप से गए छह ट्रालरों को हिरासत में ले लिया था। उन ट्रालरों में 95 मछुआरे थे। सभी को गिरफ्तार कर लिया गया था। पिछले गुरुवार को बांग्लादेश के गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के उप सचिव लुत्फुन नाहर ने एक अधिसूचना में घोषणा की है कि अंतरिम सरकार ने समुद्री मत्स्य पालन अधिनियम, 2020 के तहत 95 लोगों के खिलाफ दायर मामले को वापस लेने का फैसला किया है। ढाका ने हिरासत में लिए गए छह ट्रालर भी लौटाने का फैसला किया है। बांग्लादेश में काकद्वीप के मछुआरों की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें भारत वापस लाने की कार्रवाई करने की बात कही थी। राज्य की ओर से केंद्र सरकार का भी ध्यान आकृष्ट कराया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मछुआरों के परिवार के सदस्यों की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए काकद्वीप विधायक मोंटूराम पाखिरा को बुलाया था। वहीं दूसरी ओर गृह मंत्रालय की ओर से भारत में फंसे 90 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा करने की तैयारी की जा रही है। पश्चिम बंगाल में फर्जी पासपोर्ट रैकेट से जुड़े एजेंट मनोज गुप्ता के बांग्लादेश भागने की तैयारी थी। इसी वजह से वह उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा में किराये के एक मकान में शिफ्ट हुआ था। यह स्थान बांग्लादेश के करीब है। मनोज पर बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों को भारतीय पासपोर्ट समेत फर्जी पहचान पत्रों को मुहैया करवाने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मनोज गुप्ता दक्षिण कोलकाता के बेहाला से संचालित एक फर्जी ट्रैवल एजेंसी से जुड़ा था। उसे शक हो गया था कि अगली गिरफ्तारी उसकी हो सकती है।

## काकोपथार में पति ने की पत्नी की हत्या

**तिनसुकिया ( हिंस )।** जिले के काकोपथार में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई। आरोपी की पहचान जलधर तांती (35) और मृतक पत्नी की पहचान सबीना तांती (30) के रूप में हुई है। यह घटना काकोपथार के कुमसांग पांच नंबर गांव में हुई।

## नुमलीगढ़ में बड़े भाई के हमले में छोटे भाई की मौत

**गोलाघाट ( हिंस )।** गोलाघाट जिले के मोरंगी मौजा के पोराजंघल पांच नंबर गांव में नृशंस हत्या कर दी गई। जादू बोरा नामक व्यक्ति की उसके बड़े भाई ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हत्या के आरोपी की पहचान लातुमोनी बोरा के रूप में हुई है। आरोपी ने लोहे के पाइप से भाई को पीट-पीटकर मार डाला। बड़े भाई की पहले बहस हुई। इसके बाद उसने अपने भाई की लोहे के पाइप से पिटाई कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से मृतक को गंभीर रूप से घायल अवस्था में गोलाघाट शहीद कुशल कुंवर सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई।

## ऐतिहासिक काली मंदिर में मांस रखने को लेकर तनाव

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** पर्वतझोरा के बगरीबाड़ी स्थित ऐतिहासिक 25 हाथ काली मूर्ति के मंदिर में आज एक अप्रिय घटना घटी। मंदिर के अंदर किसी शरारती तत्व द्वारा आपत्तिजनक मांस रखने की घटना से पूरे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटना से जुड़े दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग करते हुए स्थानीय लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के बगरीबाड़ी क्षेत्र में जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही पर्वतझोरा महकमा अधिकारी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोगों ने जाम को समाप्त किया। मामले की जांच करते हुए प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने स्निफर डॉग के साथ व्यापक अभियान शुरू किया। इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में अभी भी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। अंतिम समाचार मिलने तक इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पायी थी।

## सतिया में महिला का शव बरामद, हत्या की आशंका

**विश्वनाथ ( हिंस )।** सतिया पुलिस चौकी के अधीन बालीजुरी के गुटीबाड़ी में आज घर के अंदर एक 40 वर्षीय महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। महिला की हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। इस हत्या ने पूरे गुटीबारी गांव को चौंका दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश में कार्यरत और गुटीबारी निवासी राजीव सोनार के घर में पिछले लगभग पांच महीने से मिथुन बाउरी (24) और उसकी पत्नी अनामिका दास एक साथ रह रहे थे। आज महिला का शव बरामद किया गया, हालांकि मृत महिला का पति मिथुन बाउरी सुबह से ही फरार है। इस बीच, न-दुवार राजस्व सर्कल के सर्कल अधिकारी आकाश दीप काकती और इटाखोला पुलिस चौकी के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मिथुन और अनामिका दोनों के आधार कार्ड पर घर का पता तेजपुर के हरिगांव और बाम पर्वतीय है। अंतिम सूचना मिलने तक घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल सका है।

## नॉर्थ ईस्ट जर्नलिस्ट एंड डिजिटल मीडिया संघ का आठवां वार्षिक अधिवेशन संपन्न

**लखीमपुर ( हिंस )।** असम और उत्तर पूर्वी भारत के पत्रकारों द्वारा गठित नॉर्थ ईस्ट जर्नलिस्ट एंड डिजिटल मीडिया संघ का आठवां वार्षिक अधिवेशन सोमवार को दिन भर के कार्यक्रमों के साथ लखीमपुर जिले के नारायणपुर देउरी कला क्षेत्र के प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ। केंद्रीय समिति के तत्वावधान में और लखीमपुर जिला समिति के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के अधिवेशन में 32 प्रमुख समाजसेवकों और पत्रकारों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए।

*No.GDB-242/15th FC/Tied/2022-23/93* *Dated Gossaigaon the 30th Dec./2024*

**NOTICE INVITING TENDER**

Sealed Tender are invited in F-2 Form for the works shown below from the intending Registered Contractor of Class-I and cClass-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) & PHE with affixing Non-refundable court fee of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paise twenty five) only in a prescribed Form under Award of **15th Finance Commission** (Grand No. 66) for the year 2023-24 during 2024-25. The Tender will be received on **21-01-2025** upto 1:00 PM in the Office of the undersigned and will be opened on same day at 1:30 PM in the Office of the undersigned and C.S. will be submitted to

| Sl. No. | Name of work | Estimated amount | Bid Security | Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.) | Time of completion |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Const. of Community Toilet at Hakma VCDC Office. | Rs. 11,00,000/- | Rs.11,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.22,000/- @ 2% for General | Rs.330/- | 6 (Six) Months from the date of issue of work order. |
| 2 | Const. of Community Toilet at Mahamaya Mandir. | Rs. 11,00,000/ | Rs.11,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.22,000/- @ 2% for General | Rs.330/- | |

The Terms and Condition details may be seen at Notice Board in the Office of the Block Development Officer, Gossaigaon Development Block from **30-12-2024 to 21-01-2025** upto 1:00 PM.

Sd/-
Block Development Officer,
Gossaigaon Dev. Block, Gossaigaon

*IPR(BTC)-2023-24/1211*

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *बीटीआर के विजन...*

सामाजिक असमानताओं की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विजन दस्तावेज इन चुनौतियों का समाधान करने और पूरे क्षेत्र में सतत विकास और समृद्धि के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि दस्तावेज का उद्देश्य विकास का मार्गदर्शन करना और शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक रणनीतिक दिशा देना है, जो सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ संरेखित है। बोड़ो के अलावा, प्रलेखित विभिन्न समुदायों में आदिवासी, मुंडा, मुस्लिम, हिंदी भाषी, नाथ योगी, बर्मन कचारी, कलिता, जोल्हा, कोच राजबोंगशी, बंगाली, देशी, गोरिया, सूत्रधार, मदाही कचारी, गोरखा, ओरांव, केओट, ओडिया, संथाल, सरनिया कचारी, राभा, हाजोंग, बर्मन मंडई और गारो शामिल हैं। विमोचन समारोह में असम विधान सभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, राज्य के मंत्री रनोज पेगु, रंजीत दास, अशोक सिंघल और अतुल बोरा, राज्य सरकार और बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद दोनों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## *कछार के चार गांव...*

खंड, भैरबपुर भाग 1, कलाइन विकास खंड, रोजकांदी ग्रांट 1, तपंग विकास खंड और रोजकांदी ग्रांट 2, तपंग विकास खंड। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल (2023-24) के तहत गांवों को सामाजिक बुराई से मुक्त घोषित किया गया। एक्स पर, मुख्यमंत्री ने एक वीडियो के माध्यम से कहा कि बाल विवाह असम सहित भारत में एक सतत मुद्दा बना हुआ है, उन्होंने आगे कहा कि यह प्रथा युवा लड़कियों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करती है। आगे बताया गया कि सरकार की इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं के जीवन में सुधार के लिए जागरूकता बढ़ाना, कानूनी प्रवर्तन को मजबूत करना और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि इस वर्ष कछार के चार गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना असम सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा असम और पूरे देश के अन्य जिलों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

## *हर एक राज्य नहीं...*

वाली भाजपा सरकार के सत्ता में लौटने के बाद, कैबिनेट ने अपनी पहली बैठक में राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक खास समीति गठित करने का फैसला लिया गया था। रिटायर न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर यूसीसी बिल 2024 को राज्य विधानसभा के जरिए 7 फरवरी, 2024 को पारित किया गया। बिल पर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद 12 मार्च, 2024 को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसी क्रम में यूसीसी, उत्तराखंड 2024 अधिनियम की नियमावली भी तैयार कर ली गई है। इस बिल में सात शेड्यूल और 392 धाराएं हैं और यह तलाक, विवाह, लिव-इन रिलेशनशिप और उत्तराधिकार सहित चार अहम की एरियाज पर फोक है। इसमें हलाला, बहुविवाह, बहुपतित्व, इद्दत जैसी प्रथाओं को खत्म करने और महिलाओं और पुरुषों को उत्तराधिकार का अधिकार देने के लिए अन्य प्रावधान भी हैं।

## *तिब्बती पठार और ...*

परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है। भारत की हाइपरसोनिक मिसाइल जो गति, सीमा, सटीकता और पता लगाने की क्षमता के मामले में गेम-चेंजर है, जिससे सशस्त्र बलों को बढ़त हासिल होगी। यह 1500 किमी से अधिक की घोषित सीमा के साथ भारत को तिब्बती पठार और उससे आगे स्थित चीनी सेना के एयरबेस को निशाना बनाने में सक्षम बनाएगी। हाइपरसोनिक मिसाइल की रेंज में चीन के शहर चांगजी, उरुमकी, गोलमुंड, उक्सकताल, झांगये, गुइलिन में पश्चिमी थिएटर कमांड और दक्षिणी थिएटर कमांड के एयरबेस आएंगे। इस मिसाइल का लैंड अटैक वर्जन 1500 किमी से अधिक अंदर तक निशाना लगाने में मदद करेगा। डीआरडीओ ने 13 दिसंबर को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी। डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है। एसएफडीआर का विकास 2013 में शुरू हुआ और वास्तविक प्रदर्शन शुरू करने के लिए पांच साल की समय सीमा तय की गई। मिसाइल का ग्राउंड आधारित परीक्षण 2017 में शुरू हुआ था। सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट का पहला परीक्षण 30 मई, 2018 को किया गया था। इस परीक्षण के जरिये भारत ने पहली बार नोजल-कम बूस्टर का प्रदर्शन किया। दूसरा परीक्षण 8 फरवरी, 2019 को हुआ। इसमें मिसाइल ने लक्ष्य के मुताबिक वांछित गति से आखिरकार जमीन को छू लिया। इसके बाद 08 अप्रैल, 2022 को हुए बूस्टर तकनीक का सफल परीक्षण किया गया।

## *बिहार : पीके सहित 21...*

करते हुए आवेदक को सूचित कर दिया था। इसके बावजूद 29 दिसम्बर को देर शाम इस पार्टी (जनसुराज) ने गांधी मूर्ति के समीप अनधिकृत रूप से लोगों की भीड़ इकट्ठा कर उन्हें उकसाया तथा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न की गई। इनके द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ जेपी गोलंबर तक बिना अनुमति के जुलूस निकाला गया तथा सड़क जाम कर दिया गया। वहां दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की गई। इन लोगों द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा लगाए गए लाउड स्पीकर को भी क्षतिग्रस्त किया गया। उनलोगों द्वारा मुख्य सचिव को ज्ञापन देने के लिए पांच लोगों का डेलीगेशन भेजने की बात की गई, परंतु आपसी सहमति नहीं बनने के कारण लोगों का नाम भी नहीं दिया गया। अंत में लगभग 100 की संख्या में लोग जेपी गोलंबर से हटने को तैयार नहीं थे। अत: प्रशासन द्वारा पानी की बौछार और हल्का बल प्रयोग कर इन्हें हटाया गया तथा स्थिति को सामान्य किया गया। अनधिकृत रूप से भीड़ को इकट्ठा करने, लोगों को उकसाने तथा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने के आरोप में 21 नामजद एवं 600 से 700 अज्ञात लोगों के विरुद्ध गांधी मैदान थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर, पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती, कोचिंग संचालक रह्मांशु मिश्रा के भी नाम शामिल हैं।

## *सरकार बनने पर ...*

में कहा कि इस योजना के लिए कल से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। मंगलवार को मैं खुद कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से इसकी शुरुआत करुंगा। उसके बाद दिल्ली के सभी मंदिरों और गुरुद्वारों में भी इसे आगे बढ़ाया जाएगा। आआपा द्वारा यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब वह चुनावों में भाजपा और कांग्रेस से मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार कर रही है। केजरीवाल ने दोनों पार्टियों पर निशाना साधते हुए उनसे अन्य राज्यों में भी इसी तरह के कल्याणकारी उपायों को अपनाने का आग्रह किया। केजरीवाल ने कहा कि हम जानते हैं कि पुजारी हमारी किस तरह सेवा करते हैं। चाहे हमारे बच्चे का जन्मदिन हो, शादी हो या किसी प्रियजन की मृत्यु, उन्होंने हमेशा हमें भगवान से जोड़ा है। ये वो तबका है जो सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी हमारी परम्पराओं और रीति-रिवाजों को आगे बढ़ाया लेकिन किसी ने उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। यह देश में पहली बार हो रहा है। हमने राष्ट्रीय राजधानी में कई ऐसे काम किए हैं जो पहली बार हुए हैं। हमने स्कूलों और अस्पतालों में सुधार किया और महिलाओं के लिए बस यात्रा की सुविधा दी। मुझे उम्मीद है कि भाजपा और कांग्रेस सरकारें इससे सीख लेंगी और जहां उनकी सरकारें हैं, उन राज्यों में ऐसी योजनाओं को लागू करेंगी। रोहिंग्याओं के मुद्दे से जुड़े एक सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के पास इसका पूरा डेटा है, वह इसे सार्वजनिक कर दें तो अच्छा रहेगा। उल्लेखनीय है कि जब केजरीवाल यह घोषणा कर रहे हैं तो दूसरी तरफ दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े इमामों ने बकाया वेतन की मांग करते हुए केजरीवाल के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन ने दावा किया कि इमामों को 17 महीने से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने दिल्ली सरकार पर उनकी दुर्दशा की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। हालांकि, इमामों के वेतन का भुगतान करने के मामले में पूछने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि उनका वेतन जल्द ही रिलीज कर दिया जाएगा।

## *सीएम ने राज्य के ...*

करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। तस्वीरों में फ्लाईओवर साइट पर चल रही निर्माण गतिविधियों को दिखाया गया है, जहां प्रगति पूरी गति से होती दिख रही है। शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजना की समयसीमा को पूरा करने और असम के बदलाव में योगदान देने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए हमारे श्रमजीवियों को सलाम। नूनमती-दिघालीपुखुरी फ्लाईओवर असम की बुनियादी ढांचा क्रांति की अगुआई करने वाली कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और शहरी यातायात को आसान बनाना है।

## *कहीं तूफान तो कहीं ...*

हीटवेव के कारण हजारों लोग अपनी जान गंवा बैठे। वहीं, अमेरिका और फिलीपींस जैसे देशों में विनाशकारी साइक्लोन ने कहर ढाया। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी घटनाएं आने वाले समय में और ज्यादा गंभीर हो सकती हैं। यूरोपियन यूनियन की कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उसके अनुसार, साल 2024 इतिहास का सबसे गर्म साल रहा। जनवरी से नवंबर तक का औसत वैश्विक तापमान प्री-इंडस्ट्रियल एरा (1850-1900) की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। बता दें कि इससे पहले 2023 को सबसे गर्म साल के तौर पर दर्ज किया गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक ये बढ़ती गर्मी इंसानों द्वारा किए गए जलवायु परिवर्तन का सीधा नतीजा है। भारी बारिश और उफनती नदियों के कारण आंध्र प्रदेश के शहर विजयवाड़ा में आई बाढ़ ने इस साल 40 से ज्यादा लोगों की जान ले ली। इतना ही नहीं तीन लाख के करीब लोग इस बाढ़ से प्रभावित हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, 31 अगस्त-नौ सितंबर इस बाढ़ का प्रकोप रहा था। बता दें, बुडामेरु नदी और उफनती कृष्णा नदी के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया था। इसके बाद मौके पर राहत टीम पहुंची और 44,000 से अधिक विस्थापित निवासियों को आश्रय दिया। तूफान रेमल 2024 के उत्तर भारतीय महासागर चक्रवात, सीजन का पहला तूफान था। जो 26 मई को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के सुंदरबन डेल्टा क्षेत्र में आया था। तूफान ने बंगाल, मिजोरम, असम और मेघालय में कम से कम 30 से ज्यादा लोगों की जान ले ली और चारों ओर विनाश के निशान छोड़े। केरल के वायनाड जिले के लोग इस साल की 30 जुलाई को कभी भुला नहीं पाएंगे। जब यहां मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। बता दें, वायनाड जिले के मुंडक्कई, चूरलमाला और मलप्पुरम जिले के नीलांबुर वन क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था। भूस्खलन होने के बाद तबाह हुए घरों और मलबे के ढेर के बीच फंसे लोग फोन करके मदद की गुहार लगा रहे थे। इस साल के सबसे खतरनाक भूस्खलन के कारण 1,500 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए और हजारों लोग विस्थापित हो गए। जून से अगस्त तक हिमाचल प्रदेश में 51 बार बादल फटने और बाढ़ की घटनाएं हुईं। इस आपदा में कम से कम 30 लोगों की मौत हुई और कई लोग लापता हो गए। इस प्राकृतिक आपदा से जिन क्षेत्रों को सबसे अधिक प्रभाव पड़ा था, उनमें लाहौल और स्पीति शामिल हैं। इस दौरान 121 घर नष्ट हो गए और 35 भूस्खलन हुए। इस आपदा से राज्य को करीब 1,140 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। 30 नवंबर को तूफान फेंगल ने पुडुचेरी के पास दस्तक दी, जिससे कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य प्रभावित हुए। तूफान के कारण पुडुचेरी में 46 सेमी की रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई, जिससे सड़कें और खेत- खलिहान सब पानी में डूब गए। तूफान के चलते तमिलनाडु के कई जिलों में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा। जहां चक्रवाती तूफान फेंगल ने पुडुचेरी में भारी तबाही मचाई, वहीं इस तूफान का असर महाराष्ट्र में भी दिखा। इस साल देश के पूर्वोत्तर भारत में भी भारी बारिश और बाढ़ से बुरा हाल था। दूर-दूर तक.. जहां तक नजर जाए, बस पानी ही पानी था। यहां ये फर्क करना मुश्किल था कि नदी का दूसरा किनारा कहां है और गांव की सरहद किधर है। सड़क, रास्ते, पगडंडियां सब सैलाब में डूब चुकी थीं। असम में इस साल आई भयंकर बाढ़ में 117 लोगों की मौत हुई। यहां तक 21 लाख से अधिक लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई थी। हर साल की तरह इस बार भी ये पूर्वोत्तर राज्य ब्रह्मपुत्र नदी का प्रकोप झेल रहा था।

## *कब्रिस्तान से चोरी ...*

पाया कि कब्र के अंदर से शव की खोपड़ियां गायब हो रही हैं। लोगों में यह सोचकर भय बैठ गया कि कहीं कोई तंत्र-मंत्र के लिए इन खोपड़ियों को तो नहीं चुरा रहा। चोरी भी रात के समय ही हो रही थी। लोगों ने फिर प्लान बनाया कि कौन ऐसा कर रहा है, उसे रंगेहाथों पकड़ेंगे। कुछ स्थानीय लोग फिर अमावस्या की रात कब्रिस्तान में छुप गए। तभी एक आहट हुई। देखा कि एक शख्स कब्रिस्तान में चोरी-छिपे आ रहा है। जैसे ही शख्स ने कब्र खोदना शुरू किया, लोगों ने उसे पकड़ लिया। चोर की खूब पिटाई की। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिस को चोर ने सारा सच बताया। बोला- साहब, मैं बहुत गरीब हूं। मैं सिर्फ शवों के मुंह में डाले सोने को चुराने के लिए खोपड़ियां चुराता था। नई कब्रों को खोदता तो सभी को शक होता। इसलिए पुरानी कब्रों को खोदकर उनकी खोपड़ियां चुराता था, ताकि किसी को भी मुझपर शक न हो।

## *इंफाल में दो प्रिपाक ...*

इंफाल पश्चिम जिले में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों आतंकवादियों की पहचान लीशांगथेम नेपोलियन मैतेई (35) और थोकचोम अमुजाओ सिंह (33) के रूप में की गई है, जिन्हें रविवार को संगाइप्रोउ ममांग लीकाई से पकड़ा गया।उन्होंने बताया कि उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और 12 मांग पत्र जब्त किए गए हैं। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि इस बीच, सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर और तेंगनौपाल जिलों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। इसमें कहा गया है कि शनिवार को चुराचांदपुर जिले के मुअल्लम गांव में एक इंसास राइफल, एक 9 मिमी पिस्तौल और एक सिंगल बैरल राइफल जब्त की गई। इसमें कहा गया है कि शुक्रवार को तेंगनौपाल जिले के सैवोम गांव से एक 303 राइफल, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, सात तात्कालिक विस्फोटक उपकरण, पांच हथगोले और डेटोनेटर जब्त किए गए। इससे पहले मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले से तलाशी अभियान के दौरान स्नाइपर राइफल, पिस्तौल, ग्रेनेड और अन्य हथियारों के साथ एक स्टारलिंक के लोगो वाली डिवाइस बरामद किया। यह बरामदगी 13 दिसंबर को इंफाल ईस्ट से की गई है। भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में इंफाल पूर्वी जिले में कई स्थानों पर 21.5 किलोग्राम वजन के पांच आईईडी भी बरामद किए है।

## *इथियोपिया : नदी में ...*

था, जिससे पुल पार करते समय यह संतुलन खो बैठा और नदी में गिर गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। राहत एवं बचाव कार्य में देरी ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया। घायल लोगों को तुरंत सहायता नहीं मिल पाई, जिससे मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ। गंभीर रूप से घायल मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बड़े अस्पतालों में भेजा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुल और आसपास की सड़कें बेहद खराब हैं। उन्होंने पहले भी प्रशासन से इस जगह को सुरक्षित बनाने की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह हादसा इथियोपिया की सड़क सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की खामियों को उजागर करता है। यह घटना न केवल प्रभावित परिवारों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक गहरी त्रासदी बन गया। शादी समारोह का जश्न मातम में बदल गया, और इस हादसे ने इथियोपिया में सड़क सुरक्षा और संरचना की कमजोरियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इथियोपिया पूर्वी अफ्रीका का एक लैंडलॉक्ड देश है। यह अफ्रीका का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। इथियोपिया की राजधानी अदिस अबाबा है। देश में किसानों के लिए कई उद्योग भी हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों से राजनीतिक अस्थिरता और जातीय संघर्षों ने यहां के विकास को प्रभावित किया है। इथियोपिया में 2018 के बाद से सुधारों के प्रयास किए गए हैं, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और मानवीय संकटों ने विकास की राह में रुकावटें डाली हैं।

# बोड़ोलैंड यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन से छात्रों को मिल रहा लाभ

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीआर) की सरकार के चौथी वर्षगांठ पर कई उपलब्धियां देखी जा रही हैं। जिसमें शिक्षा का क्षेत्र भी एक प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है। बोड़ोलैंड यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन असम के बीटीआर के तहत एक अद्वितीय शैक्षणिक और सामाजिक पहल है। इस मिशन का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और अवसर प्रदान कर बोड़ोलैंड क्षेत्र के होनहार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सक्षम बनाना है। इस पहल का नाम बोड़ोलैंड के महान नेता और शिक्षा के प्रतीक स्वर्गीय उपेन्द्रनाथ ब्रह्म (यूएन ब्रह्म) के नाम पर रखा गया है, जो *बोड़ोफा* (बोड़ो के पिता) के रूप में जाने जाते हैं। ज्ञात हो कि बोड़ोलैंड क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों और संस्कृति से समृद्ध है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में यह पिछड़ा हुआ है। छात्रों के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए साधन और मार्गदर्शन की कमी है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए बीटीआर के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो के नेतृत्व में *यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन* की शुरुआत 2022 में की गई। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और कोचिंग प्रदान कर उन्हें शैक्षणिक और करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इस मिशन का उद्देश्य प्रतिभावान छात्रों को निखारना है। बोड़ोलैंड क्षेत्र के प्रतिभाशाली और होनहार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित करना। गुणवत्तापूर्ण कोचिंग कर छात्रों को आईआईटी, एनईईटी, यूपीएससी, एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उच्च स्तरीय कोचिंग प्रदान करना। शिक्षा में समानता के लिए गरीब और वंचित छात्रों को शैक्षिक अवसर प्रदान करना ताकि वे भी बड़े सपने देख सकें और उन्हें पूरा कर सकें। साथ ही आर्थिक सहायता के रुप में आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को कोचिंग, पुस्तकें और अन्य शैक्षिक संसाधन मुफ्त में उपलब्ध कराना। क्षेत्रीय विकास– शिक्षा के माध्यम से बोड़ोलैंड क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान देना। कार्यक्रम की संरचना और प्रक्रिया, छात्रों का चयन, प्रत्येक वर्ष 50 छात्रों का चयन एक कठिन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। चयनित छात्रों को पूरी तरह से मुफ्त कोचिंग, छात्रावास और भोजन की सुविधा प्रदान की जाती है। कोचिंग और प्रशिक्षण–अनुभवी शिक्षकों और प्रशिक्षकों द्वारा छात्रों को आईआईटी, एनईईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। नियमित टेस्ट और व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। संसाधन और सुविधाओं के रूप में छात्रों को पुस्तकालय, डिजिटल लर्निंग और नवीनतम अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। छात्रों के मानसिक और शारीरिक विकास

के लिए खेल–कूद और अन्य गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मानसिक स्वास्थ्य और प्रेरणा के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है और उन्हें प्रेरणा देने के लिए समय–समय पर सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। सफल व्यक्तियों और विशेषज्ञों से प्रेरणादायक सत्र कराए जाते हैं। यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन का उत्कृष्ट परिणाम मिला है। हाल ही में मिशन के तहत प्रशिक्षित छात्रों ने आईआईटी, एनईईटी और अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की। बोड़ोलैंड क्षेत्र के छात्रों को पहली बार बड़े स्तर पर राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश का अवसर मिला। गरीब और वंचित छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा और अवसर प्रदान किए गए। छात्रों ने यह साबित किया कि अगर सही संसाधन और मार्गदर्शन मिले तो वे भी असाधारण सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मिशन ने बोड़ोलैंड क्षेत्र में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा दिया है। स्थानीय समुदायों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी और बच्चों को शिक्षित करने के प्रति रुचि बढ़ी। मिशन में लड़कियों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया, जिससे महिला सशक्तिकरण को बल मिला। मिशन को चलाने और अधिक छात्रों को लाभान्वित करने के लिए धन की कमी एक बड़ी बाधा है। उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षकों और प्रशिक्षकों की उपलब्धता सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी कुछ लोग शिक्षा के महत्व और इस मिशन के बारे में अनजान हैं। डिजिटल और आधुनिक शिक्षण तकनीकों को सभी छात्रों तक पहुंचाना एक चुनौती है। हाल ही में बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद सरकार ने मिशन के दायरे को 50 छात्रों से बढ़ाकर 100 छात्रों तक ले जाने का निर्णय लिया है ताकि, बोड़ोलैंड के सभी जिलों में अधिक छात्रों को शामिल किया जा सके। छात्रों को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से और अधिक संसाधन उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। मिशन में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार और निजी संगठनों को साथ जोड़ने पर भी विचार हो रहा है। इसके साथ ही मेडिकल, लॉ और अन्य क्षेत्रों के लिए भी विशेष कोचिंग प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी है। यूएन ब्रह्म सुपर 50 मिशन बोड़ोलैंड क्षेत्र के छात्रों के लिए एक नई उम्मीद बनकर आया है। यह मिशन न केवल छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार ही नहीं करता, बल्कि उनके आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाता है। इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि अगर सही अवसर और मार्गदर्शन दिया जाए, तो हर छात्र असाधारण सफलता प्राप्त कर सकता है। यह मिशन बोड़ोलैंड के शैक्षिक और सामाजिक सुधार की दिशा में एक मील का पत्थर है और आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव और भी व्यापक होगा।

# छह दिनों से लापता युवक धर्मेंद्र नाथ का शव बरामद

**रंगिया ( विभास )।** पिछले छह दिनों से लापता रंगिया के दक्षिण बोरदल का युवक धर्मेंद्र नाथ का शव सोमवार को एक पोखरी से बरामद किया गया। उसके लापता होने के बाद से अंचल में भारी तनाव की स्थिति बनी हुई है। धर्मेंद्र नाथ के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। इसके बाद धर्मेंद्र नाथ के गांववासियों ने रंगिया थाना परिसर को गरम कर दिया। लोगों का कहना है कि पीड़ित के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। लेकिन परिवार के किसी भी सदस्य को उसके साथ जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसके लिए स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है। स्थिति भयावह होने की आशंका को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। इसके अलावा थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया गया है। विरोध– प्रदर्शन में विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों ने भाग लिया। लोगों का सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी गुस्सा है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पिकनिक के दौरान कुछ युवाओं ने धर्मेंद नाथ से मारपीट की थी और इस आरोप में अबतक पुलिस ने फरार हुए दो व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में लिया है। वहीं बताया गया है कि आज दोनों आरोपियों को न्यायिक अदालत में पेश किया गया।

# कोकराझाड़ में जेहादी गिरफ्तार

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** ऑपरेशन प्रघात के तहत असम पुलिस की विशेष अभियान टीम ने जिले के एक गांव में सोमवार को अभियान चलाकर एक जेहादी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के आधार पर राज्य की पुलिस ऑपरेशन प्रघात के तहत एक विशेष अभियान चला रही है। असम पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इसी कड़ी में एक गांव में पुलिस ने अभियान चलाकर जेहादी गाजी रहमान को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए जेहादी पर भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप है। असम पुलिस की विशेष अभियान टीम अब तक विभिन्न हिस्सों से कई जेहादियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

# अभाविप का 30वां राज्य अधिवेशन लखीमपुर में संपन्न

**लखीमपुर ( हिंस )।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 30वां राज्य तीन दिवसीय अधिवेशन लखीमपुर शहर के मणिकांचन समन्वय क्षेत्र (एटी खेल मैदान) में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में पूरे असम से लगभग 1500 छात्रों ने भाग लिया। अभाविप के प्रदेश प्रचार विभाग द्वारा आज एक बयान में बताया गया है कि अधिवेधन के दौरान संगठन को राज्य में मजबूत बनाने को लेकर जोर दिया गया। महापुरुष माधवदेव की जन्मभूमि लखीमपुर में आयोजित इस प्रदेश अधिवेशन में असम और भारत के विभिन्न मुद्दों और सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में असम सरकार के शिक्षा मंत्री रोनोज पेगू, अभाविप के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. बीरेन्द्र सिंह सोलंकी, *रोल मॉडल सत्र* के संस्थापक आकाश ज्योति गोस्वामी और कई अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, खुले सत्र, सांस्कृतिक जुलूस आदि का आयोजन किया गया। इसके अलावा, इस अधिवेशन में असम के शैक्षिक, सामाजिक और आत्मनिर्भरता पर तीन प्रस्ताव पारित किए गए। ज्ञात

हो कि अधिवेशन का शुभारंभ 27 दिसंबर को हुआ था जिसका समापन 29 दिसंबर को हुआ। लखीमपुर शहर के मध्य से गुजर रहे सांस्कृतिक जुलूस के दौरान स्थानीय लोगों और संगठनों ने फूलों की वर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया। अभाविप असम प्रांत की ओर से राज्य सचिव हेरल्ड मोहन ने लखीमपुरवासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया, जिन्होंने इस अधिवेशन को सफल बनाने में मदद की।

# ब्रह्मपुत्र नद के कटाव का जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने किया निरीक्षण

**दक्षिण सालमारा-मानकचार ( हिंस )।** दक्षिण सालमारा–मानकाचर जिले के पाटाकाटा आमबाड़ी में ब्रह्मपुत्र नद के कटाव का आज राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने निरीक्षण किया। आज दोपहर के समय आमबाड़ी इलाके में पहुंचे मंत्री हजारिका ने ब्रह्मपुत्र नद में इंजन चालित नाव पर सवार होकर नद के कटाव वाले इलाके का निरीक्षण किया। मंत्री हजारिका के साथ दक्षिण सालमारा क्षेत्र के विधायक वाजिद अली चौधरी, जिला आयुक्त, विभागीय अधिकारी और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। ब्रह्मपुत्र नद का निरीक्षण करने के बाद मंत्री ने मीडिया कर्मियों से बाचतीच करते हुए बताया कि आमबाड़ी में ब्रह्मपुत्र

नद के चैनल पर 6 करोड़ रुपए की लागत से बांस के पार्कुपाइन का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्कुपाइन के कारण लगभग 1 लाख बीघा कृषि भूमि को बचाया जा सकेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि निचले असम में दूसरे चरण का काम शुरू होने पर धुबड़ी से सालमारा तक लगभग 500 करोड़ रुपए का स्थायी सुरक्षा कार्य किया जाएगा।

# रिश्वत लेने के आरोप में भूमि अभिलेख सहायक गिरफ्तार

**बजाली ( हिंस )।** असम भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें बजाली राजस्व सर्कल के सर्कल अधिकारी कार्यालय में कार्यरत दानेश्वर दैमारी द्वारा भूमि बंटवारा मामले के लिए क्षेत्रीय निरीक्षण के बदले दो हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। रिश्वत देने से इनकार करने पर शिकायतकर्ता ने निदेशालय से कानूनी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद आज निदेशालय की टीम ने बजाली राजस्व सर्कल कार्यालय में जाल बिछाया और दानेश्वर दैमारी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया, जब उसने शिकायतकर्ता से दो हजार रुपए की रिश्वत के रूप में स्वीकार किए थे। रिश्वत की रकम को बरामद कर लिया गया और इसे स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब्त कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में एसीबी पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7 (क) के तहत मामला दर्ज किया गया है। कानूनी कार्रवाई जारी है।

# कृषि विज्ञान केंद्र की पहल : कार्पेट निर्माण पर पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** गोसाईगांव उपमंडल के तेलीपाड़ा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) द्वारा आयोजित कार्पेट निर्माण पर आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण का आज सफल समापन हुआ। केवीके की सामुदायिक विज्ञान की विशेषज्ञ परणा शर्मा के मार्गदर्शन में 24 दिसंबर से शुरू हुआ प्रशिक्षण शिविर में 15 महिला एवं युवतियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। धुबड़ी जिले के गौरीपुर से आए कार्पेट बनाने के विशेषज्ञ अबू शामा शेख ने महिलाओं को प्रशिक्षण दिया। आज समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केवीके के प्रभारी प्रमुख वैज्ञानिक

सुनील कुमार पाल ने कहा कि व्यावसायिक प्रशिक्षण महिलाओं को आगे बढ़ने में सहायक होगा, साथ ही यह समाज के विकास में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि कार्पेट निर्माण का प्रशिक्षण लेकर महिलाएं न केवल अपने परिवार के लिए कार्पेट बना सकती हैं, बल्कि व्यवसायिक रूप से भी इसे बना कर लाभ प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं भविष्य में आगे बढ़ेंगी। समापन कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान की विशेषज्ञ परणा शर्मा ने कहा कि हर साल केवीके के द्वारा महिलाओं को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाकर एक मजबूत समाज का निर्माण करना है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में केवीके के वैज्ञानिक दीपांकर सैकिया और अन्य कई केवीके अधिकारी–कर्मचारी भी उपस्थित थे।

# सोनापुर में तिवा सहित दस संगठनों का विरोध कार्यक्रम घोषित

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राजधानी के सोनापुर में सदौ तिवा छात्र संघ सहित दस जातीय संगठनों ने विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की। आज एक संवाददाता सम्मेलन में संगठनों ने सरकार के सामने कई प्रमुख मांगें रखीं। संगठनों ने जागीरोड को महानगर में विकसित करने और गभा क्षेत्र में भारतीय वायुसेना का स्टेशन बनाने के निर्णय को वापस लेने की मांग की। उनके अनुसार, अगर जागीरोड को महानगर बनाया गया, तो आदिवासी समुदाय का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। आदिवासी संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी लोगों को उनकी भूमि से विस्थापित करने के लिए वायुसेना का स्टेशन बनाना चाहती है। संगठनों ने सरकार की आदिवासी विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन की योजना बनाई। कार्यक्रम के तहत 2 जनवरी को जनधर्ना, 11 जनवरी को बाइक जागरूकता रैली, 24 जनवरी को नागरिक सभा, 28 जनवरी को जोरदार प्रदर्शन और 2 फरवरी को जनसभा आयोजित करने की घोषणा की। संगठनों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार उनकी मांगों को नहीं मानती है, तो इन कार्यक्रमों के अलावा एक बड़ा लोकतांत्रिक आंदोलन भी शुरू किया जाएगा।

# नगांव के जुरिया थोक बाजार में बेहद सस्ती दर पर बिक रही सब्जियां

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के जुरिया थोक बाजार में सब्जियां बेहद सस्ती दर पर बिक रही हैं। बिक्री के लिए लाई गई सब्जियों का एक हिस्सा नहीं बिकने के कारण किसानों की आंखों में आंसू हैं। इस बार जुरिया के किसानों ने अभूतपूर्व मात्रा में हरी सब्जियों का उत्पादन किया है और यह एक हरे क्रांति की शुरुआत साबित हो रही है। लेकिन, कड़ी मेहनत और खर्च करके उपजाए गए इन फसलों का इस बार न्यूनतम मूल्य भी नहीं मिल रहा है, जिससे किसानों की स्थिति खराब हो गई है। राज्य में जहां शाक–सब्जियों की कीमतों में वृद्धि हो रही है, वहीं जुरिया के किसान पसीना बहा कर, मिट्टी में खुदाई करते हुए फसल उगाते हैं, लेकिन उन्हें अपनी उपज के लिए बहुत कम कीमत मिल रही है। वर्तमान में बैंगन 10 रुपए प्रति किलो, कच्चा केला 12 रुपए, शिमला मिर्च 15 रुपए, मिर्च 15 रुपए, सीम 10 रुपए और फूल गोभी 10 रुपए प्रति किलो बिक रही है, जिससे किसानों की हालत खराब हो गई है। किसान, जो अपने खेतों में इस्तेमाल किए गए बीज, उर्वरक और कीटनाशकों पर खर्च की गई लागत वसूल होने की उम्मीद कर रहे थे, उनके लिए यह स्थिति और भी कठिन हो गई है। बाजार में भेजने के लिए परिवहन खर्च भी पूरा नहीं हो पा रहा है। सब्जियों के इस घटते दाम ने जुरिया के किसानों को निराश कर दिया है। जो किसान पहले अपनी फसल से अच्छे दाम की उम्मीद कर रहे थे, उनके लिए अब स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई है।

# एसटीएफ ने *ऑपरेशन प्रघात* के तहत किया मुख्य आरोपी को गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा चलाए जा रहे *ऑपरेशन प्रघात* के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है। एसटीएफ केस संख्या 21/2024 की जांच के सिलसिले में फरार मुख्य आरोपी गाजी रहमान (35, कोकराझाड़) को एसटीएफ की एक टीम ने कोकराझाड़ पुलिस की सहायता से गिरफ्तार किया। इस आशय की जानकारी सोमवार को असम पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गई। इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसटीएफ न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले से जुड़े सभी व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के लिए अपने प्रयास जारी रखेगा। मामले की जांच अभी भी जारी है।

# समुत्कर्ष महाशिविर की तैयारी बैठक संपन्न

**गुवाहाटी ( हिंस )।** आगामी 29 से 31 जनवरी तक तीन दिवसीय भव्य समुत्कर्ष महाशिविर का आयोजन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहल पर किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। आज दोपहर 2 बजे सरुसजाई स्थित इंदिरा गांधी खेल परिसर के सभागार में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समुत्कर्ष महाशिविर के आयोजन समिति के अध्यक्ष और भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने की। इस दौरान विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन सचिव डॉ. पवन तिवारी ने समुत्कर्ष महाशिविर के उद्देश्यों को विस्तार से समझाया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदींद्र राय चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच कार्य विभाजन किया। शिशु शिक्षा समिति, असम के संगठन सचिव, नीरव घेलानी ने कार्यकर्ताओं को अपने–अपने क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। बैठक के दौरान समुत्कर्ष महाशिविर का लोगों और आधिकारिक वीडियो भी जारी किया गया। शिशु शिक्षा समिति, असम

के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बताया कि इस महाशिविर में पूरे पूर्वोत्तर भारत के लगभग पांच हजार छात्र घोष वादन में भाग लेंगे। साथ ही इसमें प्रदर्शनी, शारीरिक प्रदर्शन, पंचपदी शिक्षा पद्धति, बाल मेला और कई अन्य रोचक गतिविधियां शामिल होंगी। विशेष रूप से, 31 जनवरी को होने वाले समापन समारोह के लिए असम और अन्य सात राज्यों के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, शिक्षा मंत्रियों और अन्य सरकारी अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इस समापन समारोह में करीब 30 हजार दर्शकों के शामिल होने की संभावना है। बैठक में असम प्रकाशन भारती के संपादक दीपांकर बोरा, शिशु शिक्षा समिति उत्तर असम प्रांत के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती, महासचिव जगन्नाथ राजवंशी, विद्या भारती के अन्य पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

संपादकीय

# ये आईने बदल दो

**हिमाचल** में सियासी और सामाजिक सोच की ठेकेदारी रुकनी चाहिए और इसके लिए राज्य के मजमून बदलने होंगे। सरकारी स्कूलों की असफलता के बावजूद, समाज विपक्ष के साथ उस बहस में क्यों शरीक हो, जहां पूरा सदन मुड़-मुड़ कर देखता है औचित्य के ठहराव पर भी ताकि निरर्थक मजमून चलते रहें। हमें दिल्ली जाना है तो निजी वाहन, टैक्सी या प्राइवेट वोल्वो पर एतबार करते हैं, लेकिन एचआरटीसी के घोषित घाटे के रूट चलते रहें। हमें एक ही विधानसभा क्षेत्र में तीन-तीन कालेज और दो-दो एसडीएम कार्यालय मिल जाएं, तो फर्क नहीं पड़ता। आश्चर्य यह कि मेडिकल कालेजों तक हमें भरोसा नहीं, फिर भी समाज को नए संस्थान चाहिएं। जो चाहिए, वो सोचा नहीं गया, क्योंकि हमारे विकास का कोई रोडमैप नहीं, बल्कि राजनीति और समाज केवल कव्वाली गा रहे हैं। सुर में सुर मिला रहे हैं। हमें लगता है जंगल पर बहस हो, लेकिन उसके माप दंड पर न हो। हमारे सामने सियासत जहां चाहती वहां वनापत्तियां मिट जातीं और जहां नहीं चाहती वहां श्मशान घाट पर भी जंगल का कब्जा रहता है। दुनिया का कोई दस्तूर बता दे कि मात्र तीस फीसदी जमीन के आधार पर किसी राज्य की महत्त्वाकांक्षा, उम्मीदें, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक संतुलन, भविष्य की रूपरेखा, मानवीय जरूरतें और वांछित रोजगार कैसे पैदा होगा। हिमाचल का हर प्रगतिशील कदम जंगल में रुका है, लेकिन हाय! हम तो पर्यावरण हिमायती हैं और शौकिया तौर पर बुद्धिजीवी समाज इस तरफदारी में है कि चीड़ के पेड़ों को तसदीक करें। अभी शीतकालीन सत्र में कितने ही प्रश्न विधानसभा क्षेत्रों के आईने बदल रहे थे, लेकिन हमने वन के आगे हारती हिमाचल की तकदीर का हिसाब नहीं किया। बीज व खाद खरीदते किसी किसान से पूछना कि जंगल में खेत को बचाना कितना कठिन है। बंदर के लिए कितना आसान हो गया बस्ती में आकर रहना, क्योंकि जंगल सिर्फ आंकड़ों में बसता है। इस साल की ही रिपोर्ट देखें कि कितने किलोमीटर फैल गया और हर साल के वनमहोत्सव में कितने समारोह, किसान की आह नहीं सुन पाते। क्यों न जंगल यह प्रण ले कि उससे वन्य प्राणी भाग कर खेत नहीं उजाड़ेंगे। आश्चर्य यह कि बढ़ते दरख्तों के बीच यह हिम्मत नहीं कि शहरी बस्ती से किसी खतरनाक पेड़ को उखाड़ दें या बीच सडक़ पर वन विभाग घातक पेड़ को काट डाले। यह इसलिए कि हमारा समाज निजी उपलब्धियों के शोर में नहीं देख रहा कि पड़ोस की छत के नीचे सरक कर चिट्टा किसी युवक को डस रहा है। हमने समाज के रूप में नहीं सोचा कि हिमाचल की संपूर्णता में कौन सी परियोजनाएं, कौन से मंतव्य सबसे पहले पूरे होने चाहिएं। हमें तो यह भी चिंता नहीं कि हमारा इतिहास कहीं बिगड़ न जाए। हमारा विकास, हमारा आर्थिक आधार बने इसके लिए अनावश्यक व्यय को इतिश्री कहते हुए तमाम राज्य स्तरीय प्राथमिकताओं का ताज पहनना होगा। हम अगर करोड़ों के समारोह मनाते हुए यहां वहां सांस्कृतिक आयोजनों की गलियां विकसित कर रहे हैं, तो यह भी सोचें कि इससे हिमाचली कला, कलाकारों और हिमाचली भाषा को क्या मिला। आश्चर्य है कि पिछले एक साल में पंजाब के एक ही कलाकार ने पांच बार हिमाचल आकर सवा करोड़ का मेहनताना वसूल लिया, लेकिन इसके सामने क्या करनैल राणा, कुलदीप शर्मा या किसी अन्य हिमाचली गायक ने दस लाख भी कमाए।

सरकारी स्कूलों की असफलता के बावजूद, समाज विपक्ष के साथ उस बहस में क्यों शरीक हो, जहां पूरा सदन मुड़-मुड़ कर देखता है औचित्य के ठहराव पर भी ताकि निरर्थक मजमून चलते रहें। हमें दिल्ली जाना है तो निजी वाहन, टैक्सी या प्राइवेट वोल्वो पर एतबार करते हैं, लेकिन एचआरटीसी के घोषित घाटे के रूट चलते रहें। हमें एक ही विधानसभा क्षेत्र में तीन-तीन कालेज और दो-दो एसडीएम कार्यालय मिल जाएं, तो फर्क नहीं पड़ता। आश्चर्य यह कि मेडिकल कालेजों तक हमें भरोसा नहीं, फिर भी समाज को नए संस्थान चाहिएं। जो चाहिए, वो सोचा नहीं गया, क्योंकि हमारे विकास का कोई रोडमैप नहीं, बल्कि राजनीति और समाज केवल कव्वाली गा रहे हैं। सुर में सुर मिला रहे हैं। हमें लगता है जंगल पर बहस हो, लेकिन उसके माप दंड पर न हो। हमारे सामने सियासत जहां चाहती वहां वनापत्तियां मिट जातीं और जहां नहीं चाहती वहां श्मशान घाट पर भी जंगल का कब्जा रहता है। दुनिया का कोई दस्तूर बता दे कि मात्र तीस फीसदी जमीन के आधार पर किसी राज्य की महत्त्वाकांक्षा, उम्मीदें, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक संतुलन, भविष्य की रूपरेखा, मानवीय जरूरतें और वांछित रोजगार कैसे पैदा होगा।

### विश्वस्तरीय बनाने और अपील करने की व्यवस्था में जटिलता कम करने करने संबंधी सुधारों पर तेजी से काम कर रही

# और सरल कर व्यवस्था जरूरी

डा. जयंती लाल भंडारी

**यद्यपि** सरकार सरल कर व्यवस्था के लिए एक के बाद एक लगातार कदम आगे बढ़ा रही है, लेकिन अभी और अधिक सरल कर व्यवस्था जरूरी दिखाई दे रही है। हाल ही में 21 दिसंबर को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) काउंसिल की जैसलमेर में हुई 55वीं बैठक में जीएसटी के सरलीकरण व राहत संबंधी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। खास तौर से छोटे कर्जदारों को राहत देते हुए यह कहा गया है कि ऋण शर्तों का पालन नहीं करने पर ऋणदाताओं द्वारा जो जुर्माना लगाया जाएगा, उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। खास किस्म के फोर्टिफाइड चावल पर जीएसटी कम किया गया है। कैंसर की जीन थेरेपी को कर मुक्त किया गया है। इस्तेमाल शुदा यानी पुराने वाहनों की बिक्री पर कर दर को 18 फीसदी कर दिया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अगस्त 2024 में आयकर अधिनियम सरल बनाने के लिए मुख्य आयकर आयुक्त वीके गुप्ता की अध्यक्षता में गठित समिति कर रियायतों को तर्कसंगत बनाने, कर गणना के तरीके का स्तर बढ़ाकर इसे विश्वस्तरीय बनाने और अपील करने की व्यवस्था में जटिलता कम करने करने संबंधी सुधारों पर तेजी से काम कर रही है। यह समिति कर विशेषज्ञों और विभिन्न निकायों से प्राप्त सिफारिशों की समीक्षा कर रही है। ज्ञातव्य है कि आयकर अधिनियम 1961 की करीब 90 धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। मौजूदा स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) व्यवस्था को सरल करने के लिए सीमा शुल्क कानून की तरह ही समिति दरों की एक व्यापक अनुसूची बनाने पर आगे बढ़ रही है। इससे कानूनी जटिलताएं और मुकदमेबाजी में काफी कमी आएगी तथा कर कटौती प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी होगी। उम्मीद है कि वीके गुप्ता समिति की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत होगी और इसके आधार पर विधि मंत्रालय की मदद से नए आयकर विधेयक का मसौदा तैयार किया जाएगा। निश्चित रूप से पिछले एक दशक में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में तेज सुधारों का सिलसिला लगातार बढ़ा है और इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं

ज्ञातव्य है कि आयकर अधिनियम 1961 की करीब 90 धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। मौजूदा स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) व्यवस्था को सरल करने के लिए सीमा शुल्क कानून की तरह ही समिति दरों की एक व्यापक अनुसूची बनाने पर आगे बढ़ रही है। इससे कानूनी जटिलताएं और मुकदमेबाजी में काफी कमी आएगी तथा कर कटौती प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी होगी। उम्मीद है कि वीके गुप्ता समिति की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत होगी और इसके आधार पर विधि मंत्रालय की मदद से नए आयकर विधेयक का मसौदा तैयार किया जाएगा।

उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से 25 सितंबर 2020 से पूरे देशभर में लागू करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था और वर्ष 2019 में लागू करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) जैसे बड़े आयकर सुधार प्रमुख हैं। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। पिछले 10 वर्षों में आयकर संग्रह में करीब 182 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2023-24 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह लगभग चार गुना बढक़र 10.45 लाख करोड़ रुपए का रहा। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि आयकर वर्ष 2023-24 में 8.09 करोड़ से ज्यादा रिकॉर्ड आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। साथ ही मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में पिछले वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। जिस तरह देश में आयकर संबंधी सुधारों से आयकरदाताओं की संख्या और आयकर राशि में तेजी से इजाफा हुआ है, उसी तरह देश में अप्रत्यक्ष करों में ऐतिहासिक सुधार कहा जाने वाला वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 1 जुलाई 2017 से लागू हुआ है। इसके तहत केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर लगने वाले 17 केंद्रीय और राज्य स्तरीय टैक्स के साथ-साथ करीब 23 अलग-अलग तरह के उपकरों को समाहित किया गया है। जीएसटी विनिर्माताओं, कारोबारियों, निर्यातकों और आम लोगों के लिए लाभप्रद माना गया है। जीएसटी लागू होने के पूर्व वित्त वर्ष 2016-17 में अप्रत्यक्ष कर संग्रह (केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवा कर और सीमा शुल्क आदि) से करीब 8.63 लाख करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई थी। जीएसटी लागू होने के बाद जीएसटी से टैक्स संग्रहण तेजी से बढ़ रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीएसटी का संग्रहण 20.18 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पूर्ववर्ती साल के मुकाबले 11.7 फीसदी वृद्धि को दिखाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इस अवधि के मुकाबले 9 फीसदी बढक़र 14.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि दुनिया की तेज बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति की नई ऊंचाइयों के कारण देश में टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि हो रही है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ रही है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद कर रहा है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बना रहा है। निःसंदेह देश में कर सुधारों से आयकर और जीएसटी के संग्रहण में आशातीत वृद्धि हुई है। लेकिन अभी भी इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में कर से जीडीपी अनुपात 11.7 फीसदी के स्तर पर ही पहुंचने का अनुमान है, जो कि दुनिया के कई विकासशील देशों में यह अनुपात भारत से अधिक है। ऐसे में देश में आयकर और जीएसटी के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। चूंकि देश ने 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य रखा है, उस दिशा में आगे बढने के लिए कर सुधारों के साथ कर संग्रह में लगातार इजाफा जरूरी होगा और तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल से कर संग्रह में वृद्धि तेज की जानी होगी। ऐसे में यह उपयुक्त होगा कि आयकर अधिनियम को सरल बनाने के लिए गठित की गई वीके गुप्ता समिति शीघ्रतापूर्वक अपनी रिपोर्ट पूर्ण करते हुए इस बात पर ध्यान दे कि प्रति व्यक्ति आय के लिए छूट की सीमा को कम करने के मद्देनजर छूट के स्तर को निकट भविष्य में अपरिवर्तित रखा जाए। समिति को ध्यान देना होगा कि करदाताओं की संख्या में इजाफा कर व्यवस्था को अधिक निष्पक्ष बनाया जाए ताकि इससे कर भुगतान को लेकर दृष्टिकोण को सही दिशा में बढ़ावा मिल सके।

दृष्टि कोण

# चिट्टे से बचा लो अपनी नस्लों को

**सर** मुझे छुट्टी चाहिए, मेरे पड़ोस में एक जवान लडक़े की चिट्टे की ओवरडोज से मौत हो गई है। एक ही एक बच्चा था अपने मां-बाप के। हमारे बच्चे बचपन में उसके साथ खेलते थे, बचपन में मैंने उसे मां की तरह पाला है। इस चिट्टे ने बर्बाद कर दिया।' कहते-कहते महिला जोर-जोर से रोने लगी और फोन बंद कर दिया। 'इस चिट्टे का बेड़ा गर्क हो, चिट्टे के सप्लायर्स को फांसी होनी चाहिए', ऐसी अनेक बातें आज हर रोज समाज में सुनने को मिल रही हैं। हर रोज चिट्टे की ओवरडोज, चिट्टे का कारोबार, पुलिस ने पकड़ा चिट्टा, चिट्टे से जान गई जैसे समाचार टीवी चैनल, समाचार पत्र तथा सोशल मीडिया की सुर्खियों में हैं। चारों ओर भय और दहशत का वातावरण है। न जाने कौन, कहां और कब चिट्टे की चपेट में आकर मौत के मुंह में चला जाए। वैसे तो चिराग जलने से आग लगती है, लेकिन चिट्टे के मामले में घर का चिराग बुझने से आग लगती है। यह उस मां या बाप की सिसकियों से जाना जा सकता है जिसका बेटा चिट्टे की आग में जल चुका हो। मशहूर शायर राहत इंदौरी का शे'र याद आ रहा है, 'लगेगी आग तो आएंगे घर की जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।' चिट्टे की आग आज समाज में विकराल रूप ले चुकी है। हमारे आसपास ही चिट्टे से हो रही अप्रत्याशित मौतों के बारे में सुनने को मिलता है। चिट्टे का दंश झेलने वाले माता-पिता तथा अभिभावक सिसकारियां भरते नजर आते हैं। यह हर घर, गांव और समाज की कहानी है। नशे के सौदागरों को न तो व्यवस्था का खौफ है, न परमात्मा का डर। समझ नहीं आता जिंदगी न दे सकने वालों को मौत देने का अधिकार किसने दे रखा है? ये लोग कौन हैं? मशहूर शायर बशीर बद्र ने कहा, 'फाक्ता की मजबूरी ये भी नहीं कह सकती, कौन सांप रखता है उसके आशियाने में।' नशे के खिलाफ एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगते रहते हैं। पुलिस प्रशासन चिट्टे के कारोबारियों, सामाजिक, प्रशासनिक तथा राजनीतिक पेचीदगियों से परेशान है। जनता खामोशी से बर्बादी का आलम देख रही है। समाज में नशे से आग लगाने वालों को क्या खबर कि अगर हवाओं ने रुख बदल लिए, तो खाक वो भी होंगे। नशे के अनेकों चेहरे हैं- सिगरेट, शराब, भांग, सुल्फा, भुक्की, चरस, गांजा, अफीम तथा हेरोइन, लेकिन वर्तमान में चिट्टा महादानव बन कर सामने आया है। आज की तारीख में चिट्टे का सौदागर मजबूत और समाज मजबूर हो चुका है। चिट्टे के ओवरडोज के कारण हुई मौतों के अनेकों मामले हमारे सामने आते हैं, लेकिन बहुत कम मामले पुलिस रिकार्ड में दर्ज हो जाते हैं। ऐसे अनेकों मामलों में लोग बदनामी, पुलिस, कोर्ट तथा कचहरियों के चक्कर में परेशानी से बचने के लिए ऐसा करते हैं, जबकि ऐसा छुपाना गैर कानूनी भी है। चिट्टे तथा अन्य नशों के ओवरडोज की स्थिति में व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाना चाहिए। परिजनों को ऐसे नशों के आदी व्यक्तियों की नियमित जांच करवाकर उनकी नशामुक्ति का प्रयास करना चाहिए। वर्तमान में नशे की वजह से कई परिवारों को बर्बाद होते हुए देखा जा सकता है। बहुत ही चिंतनीय है कि अब शहरों के तथा गांवों के सामान्य परिवारों के साथ दूरदराज तथा जनजातीय क्षेत्रों में भी यह धंधा पांव पसार चुका है। अब तो गांव तथा शहरों में लड़कियों को भी सरेआम शान से सिगरेट, बियर और शराब पीते हुए देखा जा सकता है। लैंगिक समानता, आधुनिकता तथा स्वतंत्रता की दुहाई देने वाली इन पथभ्रष्ट लड़कियों को यह मालूम नहीं होता कि वे धीरे-धीरे व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक बर्बादी के गर्त में जा रही हैं। समाज में अनेकों माता-पिता तथा अभिभावकों को नशे के गर्त में जा चुके इन बच्चों के कारण दुःखी तथा परेशानी में देखा जा सकता है। नशे की तस्करी, धंधा तथा लोगों को इसका सेवन करने के लिए बाध्य करना नैतिक, सामाजिक तथा कानूनी दृष्टि से अवैध एवं अमान्य है। कुछ पथभ्रष्ट तथा चंद रुपयों के लिए ऐसे धंधों में शामिल होना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे नशा तस्करों को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जा सकता।

कुछ अलग

# गाय से गोबर प्यारा

**पहली** बार गाय को अपने गोबर पर गर्व महसूस हुआ। उसे यकीन नहीं हुआ कि एक दिन वह अपने दम पर इसे बेच पाएगी। गाय को अपने दूध का एहसास है, लेकिन इसके कारण उसके बछड़े आवारा हो गए। बिके हुए दूध का क्रेडिट नामी कंपनियां ले गईं या पशुपालन मंत्रियों के आंकड़ों ने इसे कहीं का नहीं छोड़ा। दरअसल देश के दूध ने गाय को भी अवारा बना दिया। खैर अब गोबर की वजह से इसे फिर से मुख्यधारा में आना पड़ा। इधर गोबर को भी पहली बार मालूम हुआ कि उसका भी आत्मसम्मान है। वैसे आत्मसम्मान का ताल्लुक अब बिकने से है। आज की राजनीति में जो नेता गोबर की तरह बिक रहे हैं, कितने आत्मसम्मानी हैं। यही वजह है कि अब कई राज्य सरकारें गोबर बेचने के धंधे से अपने आत्मसम्मान के घाटे को पूरा कर रही हैं। बेचा तो सरकारों ने सब कुछ, मगर गोबर ने अपनी क्षमता और संभावना के दम पर सरकारों की छाती चौड़ी कर दी। गोबर को मिली इज्जत से सारा आवारा गोवंश और खास तौर पर सांड भी खुश हैं। वे भी नाकारा होते हुए काम के हो गए। हर हलके के विधायक को कहने को आसपास ही इतना गोबर तो मिल गया कि बता सके कि उसकी सरकार की वजह से कितना उत्पादन बढ़ गया है। अचानक अपनी तहजीब बदल कर गोबर शालीन हो गया। अब नागरिक समाज माइंड नहीं करता कि उसकी गली या बस्ती में कब कोई आवारा पशु गोबर कर गया। वह हर जगह पड़े गोबर से देश के भविष्य की आशा करने लगा है। अब सडक़ पर लोग आवारा पशु नहीं, बल्कि गोबर के ढेर खोज रहे थे कि अचानक एक दिन आवारा सांड के मन में आत्म विश्वास जाग गया। उसने तय किया कि इससे पहले कि जीवन ही असफल हो जाए, क्यों न ज्यादा से ज्यादा गोबर पैदा करके सरकार की मंशा को पूरा किया जाए। सामने कृषि विभाग का प्रदर्शनी खेत था। वर्षों से विभाग उत्तम बीज की आशा में गेहूं उगाने की मेहनत कर रहा था कि आवारा सांड ने आदतन पूरी खेती की हजामत कर दी। गनीमत यह रही कि सरकारी खेत का खाया आवारा सांड ने गोबर बना कर उसे ही लौटा दिया, वरना विभाग क्या बेच पाता। विभाग को यह मॉडल पसंद आया। अब विभाग को यह भरोसा है कि भले ही उत्तम बीज न उगा पाए, लेकिन गोबर पैदा करने में उसका योगदान देखा जाएगा। गोबर नवाचार से प्रोत्साहित कृषि, बागबानी, पशुपालन तथा ग्रामीण विकास आदि विभागों ने अपने सारे शोध और विकल्पों से गोबर की पैदावार बढ़ा दी। इस तरह सरकार का पैसा गोबर के रूप में सरकार को वापस मिल जाएगा, यह विचार विमर्श करके कृषि विश्वविद्यालय ने भी गोबर के उत्पादन की हामी भर दी। गोबर खरीद का एक तरह से राष्ट्रीयकरण हो गया। पहली प्राथमिकता सरकारी गोबर को मिली। लक्ष्य बड़ा था, तो कई अन्य विभाग भी इसी अभियान में जुट गए। हर सरकारी स्कूल में घटती छात्रों की संख्या की क्षतिपूर्ति वहां गोबर देती आवारा गउओं ने पूरी कर दी। सरकारी अस्पतालों से मरीज निजी में क्या गए, डाक्टरों ने गायों की देखभाल से गोबर पैदा करना शुरू कर दिया। उधर प्रशासन को प्रशासनिक तौर पर आवारा पशुओं पर एकाधिकार मिल गया। यही वजह है कि अब प्रशासन अपने ब्रांडेड गोबर का धंधा करने लगा। बाकायदा डीसी गोबर, एसडीएम गोबर, पीडब्ल्यूडी गोबर, आईपीएच गोबर ही नहीं, बल्कि आबकारी एवं कराधान जैसे विभाग भी सरकार की आमदनी बढ़ाने के लिए गोबर बेचने लगे।

देश दुनीया से

# साझी विरासत को सम्मान देती सोच से लें सीख

**डॉक्टर** मनमोहन सिंह के निधन के बाद के कुछ घंटों में, कांग्रेस नेता मनीष तिवारी के लेख और साथी पत्रकार प्रदीप मैगजीन की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में विचार व्यक्त किए हैं कि किसलिए मीडिया के एक हिस्से ने 2014 में गैर-जिम्मेदाराना हरकतों को अपनाया था– जब वह उनके प्रधानमंत्रित्व काल के अंतिम महीनों में भले मानस डॉक्टर साहिब के पीछे बेहद अजीब तरीके से पड़ गया था। एक्स प्लेटफार्म पर आई मैगजीन की बहुत सटीक टिप्पणी, काफी कुछ कह गई : 'वह भयानक अहसास : भारत को मनमोहन सिंह को बदनाम करने के अपराध बोध के साथ जीना होगा'। हममें से जिन लोगों ने 2012-2014 के बीच इस निष्ठुर कथानक को घटते देखा होगा, इसकी आलोचना न करने के कारण इस बदनामी अभियान के भागीदार रहे, इस बारे में कोई मुगालता न रहे। हमने भवन को टुकड़े-दर-टुकड़े भरभराते देखा। हमने देखा कि कैसे राहुल गांधी ने 2013 में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में उस अध्यादेश को फाड़ दिया था, जिसे मनमोहन सिंह दोषी राजनेताओं को अस्थायी संरक्षण देने के लिए सदन में पास करवाना चाह रहे थे –यह तब हुआ जब भाजपा पहले से डॉ. सिंह पर गांधी परिवार की 'कठपुतली' होने का इल्जाम लगाती आई थी। हमने देखा कि भाजपा ने उसके बाद वाले शीतकालीन संसद सत्र में कामकाज चलने नहीं दिया था और भाजपा नेता अरुण जेटली ने आक्रामक रूप से सदन ठप करने के लिए अपनी पार्टी का बचाव किया। इससे पहले 2008 में, प्रेस गैलरी से हमने देखा था कि कैसे भाजपा ने संसद में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के पक्ष में प्रधानमंत्री को बोलने नहीं दिया और सदन उस वक्त लगभग ठप हो गया था जब कथित तौर पर सांसदों को एकतरफा वोट देने के एवज में दी गयी नकदी बरामद हुई। बेशक यूपीए के पास संख्या बल था, इसलिए मतदान में जीत मिली- और जॉर्ज बुश के साथ परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। सीपीआई(एम) के प्रकाश करात सहित अधिकांश लोगों ने यह समझने की बिल्कुल भी जहमत नहीं उठाई कि परमाणु समझौता वास्तव में है क्या – यह किसी विदेशी शक्ति के अधीन काम करने के बारे में कभी भी नहीं था, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी की पुनः पुष्टि को लेकर था, यह भी कि इससे अमेरिका के साथ रिश्ते सहज होने से विदेशी निवेश के दरवाजे खुलेंगे, जिसकी भारत को सख्त जरूरत थी, ताकि वह अपना भाग्य फिर से गढ़ सके। चीनी नेता देंग का वह पसंदीदा नारा याद कीजिये? 'जब तक बिल्ली चूहे पकड़ने लायक है, तब तक आप यह नहीं पूछते कि वह काली है या सफेद'? चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और राष्ट्रवादी निश्चित रूप से पश्चिमी देशों के साथ साझेदारी बनाने में चीन की जरूरत का जिक्र कर रहे थे, क्योंकि विदेशियों के पास चीन में निवेश करने की क्षमता थी। अगर चीन अपने वैचारिक दुश्मन को गले लगाने की आवश्यकता समझ सका, तो प्रकाश करात क्यों नहीं? डॉ. मनमोहन सिंह को यह सवाल पूछना चाहिए था – या कम से कम तब पीएमओ में राज्य मंत्री और उनके आंख-कान रहे पृथ्वीराज चव्हाण को अक्सर यह प्रश्न उठाना चाहिए था। मनमोहन सिंह को यह भी पता था कि अमेरिका के साथ भारत की दोस्ती बनने से चीनियों को परेशानी होगी, हो सकता है इसके मद्देनज़र वे भारत के साथ अधिक नरम रुख रखने को लिए राज़ी हों। और ऐसा हुआ भी, जब 2005 में, भारत और चीन ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वार्ता शुरू की – हालांकि बाद में चीन पीछे हट गया, जब उसने देखा कि भारत दुनिया से अलग-थलग और कमजोर पड़ रहा है, लेकिन यह बाद में हुआ। दुखद यह कि सीताराम येचुरी, जिन्होंने भारत-अमेरिका समझौते को घरेलू राजनीति से जोड़ने के सीपीएम के फैसले का खुलकर विरोध किया था, उन्हें उनकी अपनी पार्टी ने ही खारिज कर दिया। येचुरी हार गए, करात जीत गए और यूपीए के पैरों तले से जमीन खिसका दी। विडंबना यह है कि कुछ साल बाद, प्रकाश करात के कट्टर सहयोगी पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली केरल की वामपंथी सरकार ने लंदन स्टॉक एक्सचेंज में 'मसाला बॉन्ड' का समर्थन किया, जिसके जरिये केरल के स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में नई पहल के वास्ते पूंजी जुटाई गई, और जिससे राज्य की सूरत बदल दी। केरल को छोड़कर, देश के बाकी हिस्सों से सीपीएम साफ हो गई। समय की मांग के साथ आगे बढ़ने की जरूरत का मनमोहन सिंह का मंत्र पूरे भारत में गूंजा – इसने वामपंथियों को व्यावहारिक रूप से खत्म कर दिया और भारतीय उद्यमियों की 'जिंदादिली' की प्रवृत्ति को बंधन मुक्त करते हुए उन्हें देश की भौगोलिक सीमा से परे की दुनिया में नई साहसिक छलांगें लगाने का मौका दिया, यह वो था जिसकी कल्पना 1947 में परिवार के साथ रेडक्लिफ सीमा पार कर भारत में आते वक्त खुद डॉ. सिंह ने भी नहीं की होगी। बारिश से भीगते सप्ताहांत में डॉ. सिंह का निधन हमें दो 'कल्पनाएं' करने का अवसर प्रदान करता है। पहली, जरा सोचकर देखें, यदि मनमोहन सिंह चीनियों के साथ सीमा समाधान निकालने में समर्थ होते। गलवान प्रसंग न घटता, तब चार साल तक चीनी आपकी सीमा पर बैठकर आपकी ओर न देखते। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति स्थापित हो चुकी होती। इसके अलावा, यह कल्पना भी करें कि अगर मनमोहन सिंह 2008 में अपने जन्मस्थान गाह के दौरे कर जाते। तो पाकिस्तान के साथ भी चीजें अच्छी चल रही होतीं। कुछ समय के लिए दोस्ती की ब्यार चली भी, जब 2005 में मुशर्रफ एक क्रिकेट मैच देखने के लिए दिल्ली आए और उन्होंने मनमोहन सिंह को वापसी यात्रा पर आमंत्रित किया था। इस बीच डॉ.सिंह ने सियाचिन का एक संक्षिप्त दौरा किया था और एनजे 9842 नामक जगह पर समाप्त होने वाले ग्लेशियर का जिक्र करते हुए -जिसकी उंचाई का फायदा उठाने की चाहत भारत और पाकिस्तान दोनों को थी -उसे एक 'शांति कुंज' में बदलने की तमन्ना व्यक्त की। मनमोहन सिंह कश्मीर की एक दिन की यात्रा पर भी गए थे, वहां तमाम किस्म के भारतीयों से संवाद करने और वार्ता प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए 8 गोलमेज वार्ताएं हुईं- इनमें राजनीति विषय वाली बैठक की अध्यक्षता उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने की थी।

आप का नजरीया

# भाजपा-कांग्रेस बनाम केजरीवाल

**कांग्रेस** नेता एवं पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को 'देशद्रोही' और 'फर्जीवाल' करार दिया है और उनकी राजनीति से सचेत रहने को आगाह किया है। पलटवार में केजरीवाल ने कांग्रेस को अल्टीमेटम का जो वक्त दिया था, वह समाप्त हो चुका है। केजरीवाल ने अपनी धमकी के मुताबिक न तो 'इंडिया' गठबंधन को कांग्रेस को निकाल बाहर करने का आग्रह किया है और न ही ऐसा आग्रह स्वीकार करना संभव है। कांग्रेस ने अपने नेता के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की है। बल्कि कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने केजरीवाल के खिलाफ जो शिकायतनामा उपराज्यपाल विनय सक्सेना को दिया था, उस पर पुलिसिया जांच के आदेश दे दिए गए हैं। परोक्ष रूप से लगता है कि दिल्ली के चुनाव में भाजपा-कांग्रेस साथ-साथ हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी यही आरोप लगाया था कि चुनावों के मद्देनजर भाजपा-कांग्रेस में सांठगांठ है। यह कुछ सच भी लग रहा है। भाजपा-कांग्रेस की एक साथ राजनीति बेहद चौंकाती है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर वे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के बजाय 'नफरती दुश्मन' अधिक हैं। आज से छह माह पूर्व, जून-2024 के आम चुनाव तक, कांग्रेस और 'आप' सहोदरी गठबंधन में थे और मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ा था। यह दीगर है कि दिल्ली में भाजपा ने इस गठबंधन को सातों संसदीय सीटों पर चित कर दिया था। उसके बाद कांग्रेस-आप का गठबंधन जिस तरह दोफाड़ हुआ है, उससे सवाल उठते हैं कि क्या 'इंडिया' का अस्तित्व अब भी जिंदा है? क्या 'इंडिया' एकजुट, लामबंद होकर प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है? क्या 'इंडिया' धीरे-धीरे अलग-थलग होकर बिखरने के कगार तक पहुंच गया है? कांग्रेस के अन्य घटक दलों के साथ भी संबंध सामान्य नहीं हैं। कांग्रेस-भाजपा बनाम केजरीवाल की राजनीति का विश्लेषण करना अनिवार्य है, क्योंकि कई संवैधानिक सवाल पैदा होते जा रहे हैं। उपराज्यपाल की जांच भी संदिग्ध है। पंजाब से पैसा दिल्ली भेजा जा रहा है, इसका बुनियादी साक्ष्य क्या है? दूसरी तरफ 'आप' के कार्यकर्ताओं ने तीन दिन में ही 'महिला सम्मान योजना' के तहत करीब 22 लाख महिलाओं का पंजीकरण कर लिया है। 'संजीवनी योजना' के तहत 2 लाख से अधिक बुजुर्गों का पंजीकरण कर लिया गया है। इन लाखों लोगों का निजी डाटा जुटाया गया है। क्या यह कानूनन अपराध है? यदि यह अपराध जांच के काबिल है, तो चुनाव से पहले ऐसी तमाम घोषणाओं के लिए लोगों के पंजीकरण भी अपराध हैं। ऐसी कवायद केंद्र सरकार के स्तर पर भी की जाती रही है। कांग्रेस और भाजपा के स्तर पर नकदी ही नहीं, 'रेवड़ियां' भी बांटी जा रही हैं, यह आर्थिक अपराध की जांच का आधार क्यों नहीं है? चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई, किसानी, भ्रष्टाचार, विकास आदि की चर्चा दूर-दूर तक नहीं है। 'मुफ्तखोरी' का शोर बहुत गूंज रहा है।

## 50 लाख बीमा राशि के लिए पत्नी ने बहन और प्रेमी के संग मिलकर पति की हत्या की, तीनों गिरफ्तार

**बांसवाड़ा ( हिंस )।** बांसवाड़ा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कालू नाम के व्यक्ति की हत्या करने वाली दो बहनों और उनके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मृतक कालू की पत्नी और उसकी बहन ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कालू की हत्या की थी, ताकि वे उसके 50 लाख के बीमे की राशि हड़प सकें। पुलिस ने बताया कि कालू की हत्या 25 दिसंबर 2024 को हुई थी, जब वह अपनी पत्नी और बहन के साथ बांसवाड़ा से पलोदरा जा रहा था। रास्ते में, उन्होंने कालू को शराब पिलाई और फिर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद, उन्होंने कालू की लाश को सड़क पर फेंक दिया और उस पर गाड़ी चढ़ा दी, ताकि यह दुर्घटना का रूप ले ले। पुलिस ने इस मामले में मृतक कालू की पत्नी कान्ता, उसकी बहन कमला और उनके प्रेमी दिनेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दिनेश ने कालू की हत्या करने के लिए अपने साथियों की मदद ली थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि कालू की पत्नी और बहन ने उसके बीमे की राशि हड़पने के लिए यह साजिश रची थी।

### पंजाब में बंद का व्यापक असर

# रेलवे ट्रैक पर किसानों के बैठने की वजह से 163 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** किसान आंदोलन के समर्थन में सोमवार को पंजाब बंद का व्यापक असर देखने को मिला। राज्य के ज्यादातर जिलों में किसान टोल प्लाजा व मुख्य मार्गों पर बैठे रहे। रेलवे ट्रैक पर किसानों के बैठने की वजह से वंदे भारत समेत 163 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। किसानों ने करीब नौ घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच कई जगह किसानों व दुकानदरों तथा राहगीरों के बीच मामूली झड़प भी देखने को मिली। किसान संगठन ने बंद को सफल करार देते हुए आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। सोमवार को पंजाब में सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक किसान करीब 150 स्थानों पर हाईवे और रेलवे ट्रैक पर बैठे। इस दौरान अमृतसर-जालंधर-पानीपत-दिल्ली और अमृतसर-जम्मू पर ट्रैफिक पूरी तरह से बंद रहा। प्रदेश में कई जगह किसान रेलवे ट्रैक पर बैठे रहे। किसानों ने दिनभर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदेश भर में करीब तीन सौ स्थानों पर विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए गए। आज के बंद के दौरान किसान संगठन सुबह से ही सड़कों पर सक्रिय दिखाई दिए। पंजाब के मोहाली, जालंधर

व लुधियाना में कुछ जगहों पर किसानों ने दुकानें बंद करवाई तो दुकानदारों ने इसका विरोध किया। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बंद को सफल करार देते हुए कहा कि कहा कि हमें किसी की जबरदस्ती दुकानें नहीं बंद करवानी पड़ी। व्यापार मंडल, आढ़ती एसोसिएशन, जत्थेबंदियों और यूनियनों का समर्थन मिला। पंधेर ने कहा कि आज पैट्रोल पंप, गैस एजेंसियां आदि भी बंद रही हैं। मंडियों में किसान सब्जियां लेकर नहीं आए हैं और कई जिलों में तो दूध विक्रेताओं ने भी दूध नहीं डाला है। पंधेर ने कहा कि आज के आंदोलन में कई कर्मचारी संगठनों, महिला संगठनों ने भी किसानों का समर्थन किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में किसानों के कारण कहीं भी इमरजेंसी सेवाएं बाधित नहीं हुई है। इमरजेंसी सेवाओं को सुचारू रखा गया है।

## एक साल में 56 हजार को दी सरकारी नौकरियां : हिम्मत सिंह

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा है कि नए साल में जहां नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी वहीं पहले से चल रही भर्ती प्रक्रिया के परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। इसके तहत सबसे पहले टीजीटी, ग्रुप डी तथा एफएसएल की भर्तियों के परिमणाम भी घोषित किए जाएंगे। एचएसएसए चेयरमैन सिंह ने प्रदेशभर से आ रही खबरों के आधार पर रविवार को अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से युवाओं से सवाल पूछने के लिए कहा था। जिसके चलते 24 घंटे में उन्हें चार हजार युवाओं के सवाल मिले। सोमवार को मीडिया के माध्यम से इन सवालों का जवाब देते हुए हिम्मत सिंह ने कहा कि बीती 18 जुलाई को आयोग का पूरी तरह से गठन किया गया था। जिसके बाद आयोग को काम करने के लिए 57 दिन का समय मिला। इस अवधि के दौरान 28 परीक्षाओं का आयोजन किया गया तथा 88 हजार युवाओं का पीएमटी व पीएसटी आयोजित किया गया। पहली बार 24 हजार भर्तियों का परिणाम एक साथ निकाला गया।

फायर ब्रिगेड की भर्तियों को लेकर छिड़े विवाद पर हिम्मत सिंह ने कहा कि यह मामला फायर ब्रिगेड महानिदेशक के पास विचाराधीन है। आयोग के प्रतिनिधि बैठकों में अपना पक्ष रखते हैं। महानिदेशक द्वारा स्वीकृति प्रदान करते ही फायर ब्रिगेड भर्तियों के परिणाम जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उनके 57 दिनों के कार्यकाल में 36 हजार तो पूरे साल में 56 हजार 830 युवाओं को नौकरियां प्रदान की गई हैं। एक युवा के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सीईटी की परीक्षा को लेकर सरकार ने नए नियमों को मंजूरी दे दी गई है। इसी अधिसूचना आयोग के पास आते ही सीईटी परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा। हरियाणा में विपक्षी दलों द्वारा बाहरी युवाओं को भर्ती करने के आरोपों को खारिज करते हुए आयोग चेयरमैन ने कहा कि ग्रुप सी में 137 तथा ग्रुप डी में बाहरी राज्यों के केवल 66 युवा भर्ती हुए हैं। प्रदेश में ऐसा कोई कानून नहीं है। जिसके तहत बाहरी युवाओं की भर्तियों में आवेदन पर रोक है। इस अवसर पर आयोग के सचिव विनय कुमार, ओएसडी शंभू राठी, सदस्य भूपेंद्र सिंह चौहान, कपिल अत्रेजा, अमर सिंह एवं सुभाष चंदर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

## हरियाणा में युवाओं के लिए शुरू होगी वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा कि पूरे साल का भर्ती परीक्षा कलेंडर जारी करेगा, जिसके आधार पर युवा अपनी तैयारी पहले से कर सकेंगे। साथ राज्य के युवाओं के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना शुरू होगी। सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में आयोग चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि सभी विभागों से रिक्त पदों का ब्यौरा मांग लिया गया है। इसके आधार पर वर्ष 2025 में होने वाली प्रस्तावित भर्तियों पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट तैयार होते ही आयोग पूरे साल का भर्ती कलेंडर जारी कर देगा। जिसके आधार पर युवा अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। हिम्मत सिंह ने बताया कि आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की शिकायत के लिए पोर्टल का ट्रायल हो चुका है। इसके अच्छे परिणाम आए हैं। अब जनवरी माह में ग्रीवेंस पोर्टल को दोबारा खोला जाएगा। जिसमें कोई भी युवा अपनी शिकायत दर्ज करवाएगा तो उसका समाधान किया जाएगा। इसके अलावा जनवरी में ही युवाओं के लिए समाधान शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में आयोग के लंबित केसों का निपटारा किया जाएगा। हिम्मत सिंह ने बताया कि यह शिविर लोक अदालत की तरह होगा। इसमें जरूरत के अनुसार हाईकोर्ट की मदद भी ली जाएगी। आयोग के कई केस ऐसे हैं जो बेहद मामूली कारणों के चलते अदालतों में लटके हुए हैं। समाधान शिविर में इन केसों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग ने ऐसा प्रावधान कर रहा है कि प्रदेश के युवा आयोग चेयरमैन के समक्ष पेश होकर अपनी बात रख सकें। इसके लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग व्यवस्था का ट्रायल होने जा रहा है। किसी युवा का कोई विवाद है तो वह अपनी शिकायत भेजकर आयोग चेयरमैन से वीसी के माध्यम से मिलकर अपनी बात रख सकता है। प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की सुविधा के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए हिम्मत सिंह ने कहा कि बहुत जल्द वन टाइम रजिस्ट्रेशन को शुरू कर दिया जाएगा। इसके माध्यम से कोई युवा अगर दसवीं पास करने के बाद आयोग में अपना पंजीकरण करवाता है तो वह मान्य होगा। इसके बाद उसे जमा दो, ग्रेजुएशन व अन्य डिग्रियां उसी पंजीकरण नंबर के तहत अपलोड करनी हैं। इस पोर्टल का ट्रायल शुरू हो गया है। नए साल में इसे लागू कर दिया जाएगा। इससे प्रदेश के युवाओं को सुविधा मिलेगी।

## राजस्थान में तबादलों से बैन हटा, शिक्षा विभाग में प्रतिबंध जारी

**जयपुर ( हिंस )।** राज्य सरकार ने तबादलों पर लगा बैन हटा दिया है। एक जनवरी से दस जनवरी तक के लिए तबादलों से बैन हटाया गया है। शिक्षा विभाग में अभी तबादलों पर बैन जारी रहेगा। ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले नहीं होंगे। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग में शासन सचिव उर्मिला राजोरिया की ओर से सोमवार को जारी आदेश के अनुसार प्रारंभिक शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग में तबादले नहीं होंगे। इसके अलावा वोटर लिस्ट के अपडेशन में लगे अफसर कर्मचारियों के तबादलों पर सात जनवरी तक प्रतिबंध रहेगा। इन कर्मचारियों के तबादले आठ तारीख से होंगे, ऐसे में इनके लिए बैन केवल तीन दिन ही खुला रहेगा। इससे पहले 2024 में ही 10 से 20 फरवरी तक के लिए रोक हटी थी। यह आदेश राज्य के समस्त निगमों, मंडलों, बोर्ड और स्वायत्तशाषी संस्थानों पर भी लागू होगा। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने के बाद दूसरी बार तबादलों से बैन हटाया गया है। विधायक और नेता लंबे समय से तबादलों से बैन हटाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ विधायकों की फीडबैक बैठकों में भी तबादलों से जल्दी बैन हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई थी। तबादलों में पिछली सरकारों की तरह इस बार भी सत्ताधारी भाजपा के नेताओं और विधायकों की डिजायर चलेगी। विधायकों के अलावा संगठन के पदाधिकारियों की भी डिजायर चलेगी। सरकारी विभागों में मोटे अनुमान के मुताबिक करीब तीन लाख से ज्यादा कर्मचारी इधर-उधर होंगे। मेडिकल, ऊर्जा, पुलिस, पीएचईडी में सबसे ज्यादा तबादले होने के आसार हैं।

## नए साल के जश्न में शराब पीकर हुड़दंग ना करें : आप कैमरों की नजर में रहेंगे

**जोधपुर ( हिंस )।** नववर्ष आगाज का एक दिन शेष रह गया है। कल रात 12 बजे बाद नववर्ष 2025 की शुरूआत हो जाएगी। शहर में नववर्ष को सेलिब्रेट करने के लिए लोगों ने अपने अपने स्तर पर तैयारियां की है। मगर नशे की हालत में हुड़दंग करने और आम नागरिकों को परेशान नहीं करें अन्यथा आपके रंग में भंग पड़ जाएगा। जोधपुर अभय कमाण्ड कंट्रोल में लगे सीसीटीवी फुटेज में आपकी हरकतें कै द हो जाएगी। पूरे अभय कमाण्ड से शहर में नजर रखी जाएगी।

पुलिस आयुक्त से लेकर दोनों जिलों के उपायुक्तों द्वारा इनकी मॉनिटरिंग की जाएगी। पुलिस कमिश्नर राजेन्द्र सिंह व डीसीपी पश्चिम राजर्षि राज के विशेष दिशा निर्देशों के चलते मॉनिटरिंग, शहर के होटल, रिसॉर्ट, क्लब व पार्टी करने वाले स्थानों की पूरी सूची तैयार की है। होटल ढाबों और रेस्तराओं वालों को पुलिस की अनुमति लेना जरूरी होगा। न्यू ईयर के जश्न में खलल डालने वाले संदिग्धों, असामाजिक तत्वों, बदमाशों पर चलेगा पुलिस की पूरी नजर रहेगी। संदिग्ध वाहनो की लगातार होगी चेकिंग, सायं व रात्रिकालीन गश्त में पुलिस की रहेगी खास व्यवस्था की गई है। पुलिस की मोबाइल, हाइवे पेट्रोलिंग व चेतक वाहन शहर में हर समय गश्त पर रहेंगे। शहर के हर चौराहे पर पुलिस का बंदोबस्त रहेगा।

# राजस्थान में सड़क हादसों ने छीन ली सौ से अधिक जिंदगियां

**जयपुर ( हिंस )।** साल 2024 खत्म होने को है। इस साल की कुछ खट्टी-मीठी यादें ऐसी होंगी, जो आपके जेहन में बस गई होंगी। कुछ यादें ऐसी भी हैं, जिन्होंने कई परिवारों की आंखों में जीवन भर के लिए आंसू ला दिए। इस साल राजस्थान में हुए 14 भीषण सड़क हादसों में 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। इन हादसों में सबसे भीषण हादसा जयपुर के भांकरोटा में हुआ। साल के आखिरी महीने में भीषण आग में 20 लोग जिंदा जल गए जबकि 14 लोगों का अभी भी उपचार चल रहा है। जनवरी-सात की मौत: साल 2024 के पहले ही महीने में सीकर के लक्ष्मणगढ़ में भीषण सड़क हुआ, जिसमें सात लोगों की जान चली गई। जीणमाता थाना क्षेत्र के दांतला गांव से मकर संक्रांति पर कपड़े पहनाने गए परिवार के चार जने सास, बहू, बेटी और दोहिती की मृत्यु हो गई है। कार में दो लोग सवार थे और दोनों की ही मृत्यु हो गई। दो बहनों के इकलौते भाई रणवीर की भी हादसे में मौत हो गई थी। पांच की मौत: बीकानेर जिले के नोखा क्षेत्र में भारतमाला सड़क पर तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रक में घुस गई थी। हादसे में डॉक्टर दम्पति, उनकी दो साल की बेटी, एक महिला कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर और उनके पति समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। ये सभी लोग कश्मीर घूमकर वापस अपने घर लौट रहे थे। 14 अप्रैल- सात जिंदा जले: सीकर जिले में सालासर-चूरू रोड पर भीषण सड़क हादसे में कार सवार सात लोग जिंदा जल गए थे। मेरठ की दो सगी बहनों का परिवार सालासर दर्शनों के बाद वापस लौट रहा था। इस बीच ट्रक को ओवरटेक करते हुए कार आगे निकली तो सामने से एक वाहन आ गया, जिसे बचाने के फेर में कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इससे कार में आग लग गई और सात जिंदा जल गए थे। 5 मई- छह की मौत: सवाईमाधोपुर जिले के बौंली कस्बा क्षेत्र स्थित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन में घुस गई थी। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों सहित छह की मौत हो गई थी। हादसा तब हुआ था जब मुकुन्दगढ़ झुंझुनूं निवासी एक परिवार रणथंभौर गणेशजी के दर्शन करने एवं नए वाहन का पूजन करवाने जा रहा था। 17 मई- पांच की मौत: भरतपुर जिले में आगरा-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर स्थित हलैना-तिलचिवी के बीच ओवरटेक कर रही उत्तरप्रदेश रोडवेज की बस लकड़ी से भरे ट्रेलर से टकरा गई थी, जिसमें बस सवार पांच महिला यात्रियों की मौत हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि बस का एक तरफ का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था।

## बीपीएससी अध्यक्ष ने राज्यपाल को स्थिति से कराया अवगत

**पटना ( हिंस )।** बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारम्भिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों के हंगामे के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई को सोमवार को तलब किया था। इसके बाद आयोग के अध्यक्ष आज अपराह्न राजभवन पहुंचे। राज्यपाल ने बीपीएससी अध्यक्ष से पूरे मामले का फीडबैक लिया। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने राज्यपाल को परीक्षा के संबंध में पूरी जानकारी दी। राज्यपाल और आयोग के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई की करीब 15 मिनट तक मुलाकात हुई।

## पूर्व मंत्री स्व अंचल की प्रतिमा तोड़ने वाले विशाल यादव व विक्की यादव गिरफ्तार

**बलिया ( हिंस )।** जिले के चितबड़ागांव थाने के रामपुर चिट में चार दिन पहले समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में से एक व मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे जननायक पूर्व मंत्री स्व. शारदानंद अंचल की प्रतिमा खंडित करने वाले दो अराजक तत्वों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। इनकी मंशा प्रतिमा तोड़ कर माहौल खराब करने की थी। 26 दिसंबर को रामपुर चिट में वर्षों पहले स्थापित स्व शारदानंद अंचल की प्रतिमा को तोड़ दिए जाने की घटना सामने आयी थी। शारदानंद अंचल की प्रतिमा से सिर गायब देख लोगों में आक्रोश फैल गया था। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने जिलाधिकारी से मिलकर इसका जल्द पर्दाफाश करने की मांग की थी। सपा नेताओं ने प्रतिमा तोड़ने वालों की शीघ्र गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने सीओ सदर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर दी थी। इस मामले में थाना चितब ?गांव में धारा 298 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि चितबड़ागांव थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रामपुर चिट के ही रहने वाले दो युवकों विशाल यादव पुत्र रामजी यादव निवासी रामपुरचिट व विक्की पुत्र स्व सियाराम यादव को पुलिया के पास से सोमवार दोपहर में गिरफ्तार कर लिया गया।

## सवाई मानसिंह स्टेडियम में आठ से 12 जनवरी तक आयोजित होगा युवा महोत्सव

**जयपुर ( हिंस )।** राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 8 से 12 जनवरी, 2025 तक किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के संबंध में सोमवार को युवा मामले एवं खेल विभाग के सचिव नीरज के. पवन की अध्यक्षता में एसएमएस स्टेडियम के मीटिंग हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पवन ने बताया कि यह चार दिवसीय महोत्सव *विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार* थीम पर आधारित होगा। इसका आयोजन सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 50 हजार, द्वितीय स्थान पर 25 हजार और तृतीय स्थान पर 10 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में

विभिन्न विभागों की उपलब्धियों एवं योजनाओं की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस संबंध में संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रत्येक दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा तथा आमजन भी इस महोत्सव के प्रत्यक्ष साक्षी होंगे। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कला, संस्कृति, सामाजिक कार्य, विज्ञान और तकनीकी, नवाचार, साहसिक कार्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को *राजस्थान यूथ आइकॉन अवॉर्ड* से सम्मानित किया जाएगा। चयनित युवाओं को एक लाख रुपए और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। पवन ने यह भी बताया कि राज्य स्तरीय युवा महोत्सव और यूथ आइकॉन अवार्ड में चयनित प्रतिभागियों को 12 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ युवा दिवस पर आयोजित 28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 में भाग लेने के लिए राजस्थान दल को 9 जनवरी को नई दिल्ली रवाना किया जाएगा। युवा मामले एवं खेल विभाग की उप शासन सचिव अनीता मीणा ने बताया कि महोत्सव में राजस्थानी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एनसीसी, पुलिस और विभिन्न संस्थानों द्वारा बैंड प्रदर्शन भी किया जाएगा। बैठक में युवा बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश चंद पहाड़िया और सूचना एवं जनसंपर्क, पर्यटन, शिक्षा, डीओआईटी, स्काउट गाइड, कौशल विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## बंगाल पुलिस से हाथापाई कर अपराधी छुड़वाने के मामले में 11 गिरफ्तार

### पुलिस ने 14 नामजद समेत 7-8 अन्य के खिलाफ दर्ज किया था केस

**हिसार ( हिंस )।** एचटीएम थाना पुलिस ने बंगाल पुलिस व हिसार पुलिस से हाथापाई करके चोरी के आरोपी को छुड़वाने के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनका नागरिक अस्पताल में मेडिकल करवाया। इस मामले में पुलिस ने 14 नामजद समेत 7-8 अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया था। 12 क्वार्टर चौकी के इंचार्ज विनोद ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात केस दर्ज किया गया था। इस संबंध में 11 लोगों को काबू किया गया और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पश्चिम बंगाल पुलिस में सब इंस्पेक्टर पर तैनात किशोर कुमार दास सहित पांच पुलिस कर्मी एक चोरी के मुकदमे में महावीर कॉलोनी के रहने वाले सतीश की तलाश में हिसार पहुंचे। बंगाल पुलिस ने एचटीएम थाना पुलिस के तहत आने वाली 12 क्वार्टर चौकी इंचार्ज एएसआई विनोद से संपर्क किया। वहां लोगों ने पुलिस के साथ हाथापाई करके आरोपी को छुड़वाकर भगा दिया, जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार लिया है। पुलिस की टीम सोमवार दोपहर को आरोपियों की मेडिकल जांच के लिए उन्हें नागरिक अस्पताल लेकर आई। बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस की छापेमारी कार्रवाई जारी है। मामले के अनुसार बंगाल पुलिस का एक दल यहां की एचटीएम पुलिस के साथ रविवार को महावीर कॉलोनी में चोरी के मुकदमे के आरोपी संदीप को काबू करने के लिए गए। मौके पर पहुंचकर आरोपी संदीप को काबू भी कर लिया। इसके बाद आरोपी को जब पुलिस ले जाने लगी तो परिवार वाले इकट्ठा हो गए और गली में पुलिस के साथ बहस करने लगे। आरोपी को छुड़वाने के लिए उसके परिवार वाले करीब 15 से 20 मिनट बंगाल पुलिस और स्थानीय पुलिस के साथ धक्का मुक्की करते रहे। इस दौरान आरोपी अपने आप को छुड़वाकर मौके से भाग गया। इस झगड़े में 12 क्वार्टर चौकी इंचार्ज विनोद व अन्य पुलिस कर्मियों को मामूली चोटें भी आई। इसी मामले में पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया था।

## प्रशांत किशोर सहित 21 नामजद करीब 700 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

**पटना ( हिंस )।** छात्रों को उकसाने और कानून-व्यवस्था भंग करने के आरोप में जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर और पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती सहित कुल 21 नामजद और 600-700 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पटना प्रशासन द्वारा बीती देर रात जारी जानकारी के मुताबिक जनसुराज पार्टी द्वारा गांधी मैदान, गांधी मूर्ति के सामने छात्र संसद के आयोजन के लिए स्वीकृति मांगी गई थी जिसे जिला प्रशासन ने अस्वीकृत करते हुए आवेदक को सूचित कर दिया था। इसके बावजूद 29 दिसंबर को देर शाम इस पार्टी (जनसुराज) ने गांधी मूर्ति के समीप अनधिकृत रूप से लोगों की भीड़ इकट्ठा कर उन्हें उकसाया तथा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न की गई। इनके द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ जेपी गोलंबर तक बिना अनुमति के जुलूस निकाला गया तथा सड़क जाम कर दिया गया। वहां दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की गई। इन लोगों द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा लगाए गए लाउड स्पीकर को भी क्षतिग्रस्त किया गया। उनलोगों द्वारा मुख्य सचिव को ज्ञापन देने के लिए पांच लोगों का डेलीगेशन भेजने की बात की गई, परंतु आपसी सहमति नहीं बनने के कारण लोगों का नाम भी नहीं दिया गया। अंत में लगभग 100 की संख्या में लोग जेपी गोलंबर से हटने को तैयार नहीं थे। अत: प्रशासन द्वारा पानी की बौछार और हल्का बल प्रयोग कर इन्हें हटाया गया तथा स्थिति को सामान्य किया गया। अनधिकृत रूप से भीड़ को इकट्ठा करने, लोगों को उकसाने तथा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने के आरोप में 21 नामजद एवं 600 से 700 अज्ञात लोगों के विरुद्ध गांधी मैदान थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

## रामकथा महोत्सव के चौथे दिन सनातन धर्म के पालन का दिया संदेश

**अररिया ( हिंस )।** फारबिसगंज छुआपट्टी में तपेश्वर गुप्ता के गोला में चल रहे श्री रामकथा महोत्सव के चौथे दिन सोमवार को बालसंत श्री हरिदासजी महाराज ने सनातन धर्म के पालन करने का संदेश दिया। सोने संदेश में बालसंत श्री हरिदासजी महाराज ने संदेश दिया कि 1 जनवरी हम सनातनियों का नवबर्ष नहीं है, यह पश्चिमी सभ्यता है। जिसमें सिर्फ कैलेंडर बदलता है और नया कुछ नहीं होता। जबकि सनातन का नवबर्ष चैत्र प्रतिपदा को मनाया जाता है और उस समय बसंत ऋतु के आगमन से पेड़ों पर नए पत्ते, फूल, आम के पेड़ों पर मंजर के साथ साथ कई नई फसल होती है। समस्त भारत के सनातनियों में नए उर्जा का संचार होता है।इसलिए सभी संकल्प करें कि आप सनातन

नवबर्ष ही मनाएंगे। महाराज ने जानकारी दी कि तुलसीदास जी ने रामचरित मानस की रचना सम्वत 1931 इस्वीं चैत्र महिना नवमी तिथि दिन मंगलवार को किया। कथा स्थल पर गीता प्रेस गोरखपुर की आध्यात्मिक पुस्तकों को अब 25 फीसदी छुट के साथ श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही है, इसका भरपूर लाभ जनता उठा रही है। व्यवस्था में हेमू बोथरा, पूनम पांडिया, काव्या, रक्षा, आकाश, पप्पू फिटकरी वाला, मदन मोहन कनौजिया, विभाष गुप्ता गोपाल अग्रवाल, विजय लखोटिया आदि सक्रिय रहे।

# अजय पॉली लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली

**दिल्ली स्थित रेफ्रिजरेशन सीलिंग सॉल्यूशंस कंपनी अजय पॉली लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।**

### ओएफएस का मिश्रण

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अजय पॉली लिमिटेड का 1 रुपये अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 238 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रमोटर और निवेशक विक्रय शेयरधारकों द्वारा 93,00,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है।

ओएफएस में बीना जैन, राजीव जैन और नितिन जैन क्रमशः 3.7 मिलियन, 2.8 मिलियन और 2.8 मिलियन इक्विटी शेयर बेचेंगे।

दिल्ली स्थित रेफ्रिजरेशन सीलिंग सॉल्यूशंस कंपनी नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ उधारों के पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान, नोएडा, करेगांव, शिरवाल, चेन्नई और कॉर्पोरेट कार्यालय में सुविधाओं में उपकरण और मशीनरी खरीदने के लिए पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करेगी।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित अजय पॉली लिमिटेड भारत में उपकरण उद्योग के लिए रेफ्रिजरेशन सीलिंग समाधान, प्रोफाइल एक्सट्रूज़न और ग्लास उत्पादों के अग्रणी निर्माताओं में से एक है, जो वित्त वर्ष 2024 में महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी रखता है, ये जानकारी डीआरएचपी में उल्लिखित एफएंडएस रिपोर्ट में दी गई है।

## न्यूज ब्रीफ

### डीजीटीआर का छह देशों से आयातित पीवीसी पेस्ट रेजिन पर डंपिंग रोधी शुल्क का सुझाव

**नई दिल्ली।** वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू उत्पादकों को संरक्षण देने के उद्देश्य से चीन समेत छह देशों से आयात होने वाले पीवीसी पेस्ट रेजिन पर पांच साल तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य है भारतीय उत्पादकों को विदेशी उत्पादकों से हो रहे अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाना है। व्यापार उपचार इकाई (डीजीटीआर) ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत में डंपिंग होने की वजह से घरेलू उद्योगों को नुकसान हो रहा है। इसके चलते डीजीटीआर ने पीवीसी पेस्ट रेजिन के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश की है। यह सिफारिश लागू होने पर शुल्क की सीमा 89 डॉलर प्रति टन से लेकर 707 डॉलर प्रति टन तक हो सकती है। इसमें कंपनियों को उचित मार्गदर्शन देने के साथ-साथ भारतीय उत्पादकों को सुरक्षित रखने का उद्देश्य है। इसके अंतर्गत कई उत्पादों पर पहले भी भारत ने सस्ते आयात से निपटने के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाए हैं। इससे यह साबित होता है कि सरकार उद्यमियों की सुरक्षा और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है।

### अदानी एंटरप्राइजेज का राजस्व 2026-27 तक 1,56,343 करोड़ पहुंचने का अनुमानः रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** अदाणी इंटरप्राइजेस लिमिटेड (एईएल) का राजस्व वित्त वर्ष 2023-24 से 2026-27 के दौरान सालाना आधार पर 17.5 प्रतिशत बढ़कर 1,56,343 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा 45.8 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एईएल भारत के सबसे बड़े सूचीबद्ध इनक्यूबेटर में से एक है। इसने कई सफल व्यवसायों की परिकल्पना की है, उन्हें विकसित और परिपक्व बनाया है। इनमें बंदरगाह कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड, शहर गैस वितरक अदाणी टोटल गैस, बिजली पारेषण कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर और जिंस कंपनी अदाणी विल्मर शामिल हैं। कंपनी हवाई अड्डा, सौर मॉड्यूल और पवन टर्बाइन, हरित हाइड्रोजन, सड़क निर्माण, डेटा सेंटर और तांबा क्षेत्र में कार्यरत है। रिपोर्ट के अनुसार कई सफल उद्योग-अग्रणी व्यवसायों की इनक्यूबेटर एईएल भविष्य की वृद्धि को गति देने के लिए महत्वाकांक्षी रूप से हरित हाइड्रोजन और इसके पारिस्थितिकी तंत्र में विविधता ला रही है। नवंबर, 2024 में अमेरिकी न्याय विभाग (यूएस-डीओजे) के नोटिस के बाद शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद एईएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत बुनियादी बातों और परिचालन आधार के जरिये अच्छा प्रदर्शन किया है। इसे 'सेकी' से 'साइट' योजना के अंतर्गत 101.5 मेगावाट प्रति वर्ष इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण सुविधा के लिए ठेका मिला है। ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (साइट) योजना के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप एक वित्तीय कार्यक्रम है जो भारत में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइज़र के निर्माण का समर्थन करता है। यह योजना राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का हिस्सा है, जिसका परिव्यय 2029-30 तक 19,744 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2024-2027 के दौरान एईएल का राजस्व 17.5 प्रतिशत बढ़कर 1,56,343 करोड़ रुपये, ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन-पूर्व कमाई (ईबीआईटीडीए) 37.5 प्रतिशत बढ़कर 28,563 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 45.8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 9,245 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है ईबीआईटीडीए और शुद्ध मार्जिन क्रमशः 6.47 प्रतिशत बढ़कर 18.3 प्रतिशत और 2.55 प्रतिशत बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो सकता है।

### वेंटीव हॉस्पिटैलिटी का शेयर निर्गम भाव से 12 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

**नई दिल्ली ।** वेंटीव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड का शेयर अपनी निर्गम कीमत 643 रुपये से करीब 12 फीसदी की तेजी के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 11.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 718.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 16.45 प्रतिशत चढ़कर 748.80 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 11.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 716 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,931.77 करोड़ रुपये रहा। वेंटीव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के 1,600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन पिछले मंगलवार को 9.82 गुना अभिदान मिला था।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार के बाद बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता दिख रहा है। यूरोपियन बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। वहीं, एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,970.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 302.27 अंक यानी 1.51 प्रतिशत टूट कर 19,718.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 109.24 अंक यानी 0.25 प्रतिशत फिसल कर 42,882.97 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,149.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.99 प्रतिशत उछल कर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 135.55 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,984.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,783.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.45 प्रतिशत उछल कर 2,415.55 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,406.78 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 102.50 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,860 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.43 प्रतिशत फिसल कर 20,004.57 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 403.19 अंक यानी 1 प्रतिशत टूट कर 39,877.97 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,260.10 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,024.11 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 3,397.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# सेबी की कार्रवाईः स्टॉक टिप्स देने वाले वेबसाइट्स और इंफ्लुएंसर्स पर रोक

मुंबई

सेबी ने सोशल मीडिया खुद को इंफ्लुएंसर बताकर शेयर मार्केट के टिप्स और स्टॉक्स की सिफारिशें करने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। साल 2024 में कई लोगों पर कार्रवाई की गई है, जिन्होंने शेयर बाजार के बारे में भ्रामक जानकारी दी और लोगों को गुमराह किया। इनमें से एक प्रमुख इंफ्लुएंसर के खिलाफ हाल ही में सख्त कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही सेबी ने 15,000 से ज्यादा वेबसाइट्स पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, जो स्टॉक टिप्स और सिफारिशों से जुड़ा कंटेंट फैला रहे थे। सेबी की इस कार्रवाई से यह पता चलता है कि सोशल मीडिया पर गलत औ भ्रामक जानकारी देने वाले लोगों और प्लेटफॉर्म्स पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक शेयर बाजार में निवेश के नाम पर गलत जानकारी और गुमराह करने वाले लोगों पर इस साल सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। सेबी ने 15,000 से अधिक साइट्स और कई फिनफल्युएंसर्स को बैन कर दिया है। इन लोगों पर आरोप है कि ये सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके लोगों को गलत जानकारी दे रहे थे। इससे न सिर्फ लोग गुमराह हुए बल्कि उन्हें मोटा नुकसान भी हुआ है। बता दें कि शेयर बाजार में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है। अगर आपको कोई भी निवेश करना है तो आप पहले अपने वित्तीय सलाहकार की सलाह जरूर ले लें। इस साल सेबी ने दो लोगों पर प्रतिबंध लगाया है। एक फिनफ्ल्युएंसर्स 'बाप आफ चार्ट' नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिव थे, जहां वो अक्सर लोगों को शेयर खरीदने और बेचने की सलाह देते थे। सेबी तक बात पहुंचने पर सेबी ने उसके और उनके साथियों को एक एस्क्रो अकाउंट खोलकर 17 करोड़ रुपए जमा करने का आदेश दिया है। सेबी ने यह भी बताया कि इन पैसों का इस्तेमाल उन निवेशकों का पैसे लौटाने के लिए किया जाएगा, जिनके पैसे इनकी सलाह से डूबे हैं। इसके अलावा इस पर 20 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

# एनएचपीसी के दल ने त्रिपुरा में डंबूर जलविद्युत संयंत्र का किया अध्ययन

**बंद हो चुके जलविद्युत संयंत्र के पुनरुद्धार के लिए एनएचपीसीएल को बनाया सलाहकार**

अगरतला

राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम (एनएचपीसी) लिमिटेड ने त्रिपुरा के गोमती जिले में स्थित डंबूर जलविद्युत परियोजना के पुनरुद्धार के लिए एक अध्ययन किया है। इस वर्ष यह परियोजना बाढ़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई थी।

त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम (टीएसईसीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि परियोजना के पुनरुद्धार की योजना के तहत एनएचपीसीएल के छह सदस्यीय दल ने एक तीन दिवसीय दौरे के दौरान इस परियोजना को देखा। उन्होंने बताया कि अब बंद हो चुके जलविद्युत संयंत्र के पुनरुद्धार के लिए एनएचपीसीएल को सलाहकार के रूप में चुना गया है।

उन्होंने कहा कि डीपीआर प्राप्त होने के बाद सरकार बढ़ी हुई बिजली उत्पादन क्षमता के साथ संयंत्र को फिर से चालू करने का निर्णय लेगी। डंबूर जलविद्युत संयंत्र को दैनिक आधार पर 15 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए विकसित किया जा सकता है, जिससे राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा दायित्व (आरपीओ) को सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह परियोजना राज्य के ऊर्जा संकट को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

# वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ की बजट पूर्व पांचवीं बैठक

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की। सीतारमण की अध्यक्षता में यह बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई, जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री को कई सुझाव दिए।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री सीतामरण ने आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए। इन सुझावों से आगामी केंद्रीय बजट में प्रमुख आर्थिक प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय चुनौतियों को सुनिश्चित किया जाएगा।

मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में वित्त सचिव और, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बैठक के दौरान अर्थव्यवस्था पर अपने विचार रखे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री सीतारमण आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश करेंगी। बजट पूर्व परामर्श बैठक केंद्रीय बजट को आकार देने से जुड़ा आवश्यक कदम है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। इन बैठकों में मिले सुझावों से विविध हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है।

# सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

**घरेलू सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। सोने के भाव में आई कमजोरी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,980 रुपये से लेकर 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,490 रुपये से लेकर 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में 300 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी आई है।**

इस कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# मुम्बई सिटी की डिफेंस और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के हमलों के बीच होगा मुकाबला

**मुम्बई**

मुम्बई सिटी एफसी (आइलैंडर्स) की टीम सोमवार को मुम्बई फुटबॉल एरिना में शाम को खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (हाईलैंडर्स) की मेजबानी करेगी।

मुम्बई 12 मैचों में पांच जीत, पांच ड्रा और दो हार से 20 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड 12 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और चार हार से 18 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है।

आइलैंडर्स अपने पिछले पांच मैचों में से तीन जीतने के बाद इस मुकाबले में उतरेंगे, जबकि हाईलैंडर्स ने इसी अवधि में दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं।

इस सीजन में हाईलैंडर्स ने 26 गोल किए हैं, जो मैरिनर्स के बराबर हैं और बेंगलुरू एफसी (27 गोल) से पीछे हैं। मुम्बई सिटी (15) ने चौथा सबसे कम बार गोल किए हैं।

आइलैंडर्स ने मजबूत डिफेंस दिखाते हुए पांच क्लीन शीट रखी हैं और अब तक 13 गोल खाए हैं, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने दो क्लीन शीट के साथ 20 गोल खाए हैं।

आइलैंडर्स ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड (19 जनवरी, 2023 को 4-0 और 12 मार्च, 2024 को 4-1) के खिलाफ अपने पिछले दो घरेलू मैचों में से चार-चार गोल किए हैं। आइलैंडर्स ने अपने पिछले चार आईएसएल मैचों में क्लीन शीट रखी है, जिनमें से तीन में जीती है।

नॉर्थईस्ट अपने पिछले पांच अवे मैचों (दो जीत, दो ड्रा) में से केवल एक में हारी है। इस दौरान उन्होंने 12 गोल किए हैं। हाईलैंडर्स ने इस सीजन में मैचों के शुरुआती 15 मिनट में सबसे ज्यादा आठ गोल किए हैं। लेकिन कमजोर डिफेंस के कारण इस अवधि में चार गोल खाए भी हैं।

आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि उनकी टीम को उन प्रक्रियाओं का लगातार पालन करने की जरूरत है जो वो करती आ रही है।

उन्होंने कहा, हमें अच्छा खेलना होगा, मजबूत डिफेंडिंग करनी होगा। स्थानापन्न खिलाड़ियों को भी अच्छा खेलना होगा। हमें विरोधियों को मौके देना बंद करने होंगे।

हाईलैंडर्स के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने कहा कि टीम को अपनी खेल शैली पर डटे रहना होगा।

उन्होंने कहा, हर मुकाबला बिल्कुल अलग होता है। मुम्बई सिटी के पास अलग खिलाड़ी और खेलने की शैली है। हमें अपनी शैली और अपनी गेम प्लान पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 20 मुकाबलों में मुम्बई सिटी एफसी बार 11 जीती है, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने पांच मैच जीते हैं। चार मैच ड्रा रहे हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### टाइगर क्लब ने छठी नेशनल हॉकी प्रीमियर लीग 2024 में जीता मास्टर्स वर्ग का खिताब

**नई दिल्ली।** टाइगर क्लब ने सोमवार को छठी नेशनल हॉकी प्रीमियर लीग 2024 के मास्टर्स पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया है। टाइगर क्लब ने फाइनल में होशियारपुर क्लब को 2- 1 से हराकर मास्टर्स ग्रुप का खिताब अपने नाम किया। दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमनाई ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमनाई ने महिला मास्टर्स महिला ग्रुप के फाइनल में श्री द्वारका बाल बालिका विद्यालय को 1-0 हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अंडर 21 बॉयज ग्रुप का खिताब घुम्मनहेड़ा राइजर ने जीता। घुम्मनहेड़ा ने फाइनल में श्याम लाल कॉलेज को 3-2 से हरा कर खिताब अपने नाम किया।

### पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप सिंह ने की कबड्डी पर पीकेएल के प्रभाव की सराहना

**पुणे।** पैरालंपिक भाला फेंक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप सिंह ने खेल पर प्रो कबड्डी लीग के परिवर्तनकारी प्रभाव की प्रशंसा की है, और बताया है कि कैसे पेशेवर लीग ने पारंपरिक कबड्डी में क्रांति ला दी है। सिंह ने महत्वपूर्ण पीकेएल 11 फाइनल से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पीकेएल के प्रवेश के बाद से, खेल का स्तर काफी बढ़ गया है। खेल विज्ञान ने भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मेरा मानना है कि पीकेएल खेल के विकास में लगभग 19न्न योगदान देता है। अपने स्कूल के दिनों में डिफेंडर के रूप में खेलने वाले सिंह ने खेल की गहन शारीरिक मांगों के बारे में बात की। आधुनिक खेल में उचित फिटनेस और कंडीशनिंग के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया, कबड्डी में चोट लगने का खतरा अधिक होता है क्योंकि जब एक रेडर अंदर जाता है, तो तीन या चार खिलाड़ी एक साथ बल लगा सकते हैं। पैरालंपिक चैंपियन ने हरियाणा में कबड्?डी की गहरी जड़ों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि राज्य में ऐसा एथलीट मिलना दुर्लभ होगा जिसने अपने जीवन में कम से कम एक बार भी कबड्?डी नहीं खेली हो। हरियाणा की खेल संस्कृति से यह संबंध मजबूत बना हुआ है, सिंह ने स्वीकार किया कि वह सभी टीमों की सराहना करते हैं, लेकिन वह हरियाणा के लिए अतिरिक्त समर्थन भी रखते हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि कैसे लीग ने उस खेल को एक पेशेवर तमाशे में बदलने में मदद की है जो कभी मुख्य रूप से एक ग्रामीण खेल था।

### पांच जनवरी से शुरू होगी प्रदेश स्तरीय महिला फुटबाल प्रतियोगिता

**लखनऊ।** प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन ग्रीनपार्क स्टेडियम कानपुर में पांच जनवरी से शुरू होगा। 12 जनवरी तक चलने वाली प्रतियोगिता के लिए मंडल स्तरीय टीमों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। हर जिले और मंडल स्तर पर टीमें बनायी जा रही हैं लखनऊ में जिला स्तर पर टीम का चयन मंगलवार को चौक स्टेडियम में होगा। इसके लिए क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अजय कुमार सेठी ने बताया कि मंगवार अपराह्न तीन बजे से शुरू हो रही चयन प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र साथ में लेकर आना अनिवार्य है। बिना आयु प्रमाण पत्र के किसी भी खिलाड़ी को चयन में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। जिला स्तर की प्रतियोगिता में चयन होने के बाद एक जनवरी को अपराह्न तीन बजे चौक स्टेडियम में ही मंडल स्तरीय टीम का चयन होगा। मंडल स्तरीय टीम कानपुर में होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी

## मेलबर्न टेस्ट

# ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 184 रन से हराया, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भारत की राह मुश्किल

**मेलबर्न**

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में 184 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। पांचवें दिन 340 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही भारतीय टीम मात्र 155 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से केवल यशस्वी जयसवाल ने ही कुछ संघर्ष किया। उन्होंने 84 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। यशस्वी के अलावा ऋषभ पंत ने 30 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को छू नहीं सका। 340 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को यशस्वी और रोहित शर्मा ने सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 25 रन जोड़े। हालांकि इसी स्कोर पर पैट कमिंस ने एक ही ओवर में रोहित शर्मा और केएल राहुल को आउट कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दीं। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 5 रन बनाकर 33 के कुल स्कोर पर मिचेल स्टॉर्क का शिकार बने।

### यशस्वी-पंत ने संभाली भारत की पारी

यहां से यशस्वी जयसवाल और ऋषभ पंत ने चौथे विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी कर भारत को मैच में लाने की कोशिश की, लेकिन लंच के बाद 121 के कुल स्कोर पर पंत एक बार फिर ट्रैविस हेड की गेंद पर गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर चलते बने। पंत ने 30 रन बनाए। पंत के आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा (02) पहली पारी के शतकवीर नीतीश रेड्डी (01) भी जल्दी-जल्दी आउट हो गए।

### विवादास्पद तरीके से आउट हुए यशस्वी जयसवाल

दो विकेट जल्दी-जल्दी गिरने के बाद सभी की उम्मीदें वाशिंगटन सुंदर और यशस्वी से थी, लेकिन पैट कमिंस की गेंद को हुक शॉट खेलने के चक्कर में यशस्वी भी आउट हो गए, हालांकि स्निकोमीटर में कोई हलचल नहीं थी, लेकिन वीडियो फुटेज में गेंद दस्ताने को छुकर जाती हुई दिखा रही थी, थर्ड अंपायर ने स्निकोमीटर को दरकिनार कर यशस्वी को आउट करार दिया। उस समय कमेंट्री कर रहे पूर्व दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इस निर्णय का कड़ा विरोध भी किया। यशस्वी के आउट होने के बाद भारतीय पारी बिखर गई और 155 रन पर सिमट गई। वाशिंगटन सुंदर एक छोर पर 5 रन बनाकर खड़े रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 3-3, नाथन लियोन ने 2, मिचेल स्टॉर्क और ट्रैविस हेड ने 1 विकेट लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप फाइनल्स के फाइनल में जाना लगभग तय हो गया है, वहीं भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

### ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 234 रन, रखा 340 रनों का लक्ष्य

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाकी दूसरी पारी 234 रनों पर समाप्त हुई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 105 रनों की हासिल की थी, जिससे उसकी कुल बढ़त 339 रनों की हुई और भारत को 340 का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्नस लाबुशेन ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 70 रन बनाए। लाबुशेन के अलावा पैट कमिंस और नाथन लियोन ने 4-41 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई पारी का मुख्य आकर्षण लियोन और बोलैंड के बीच आखिरी विकेट के लिए 61 रनों की साझादारी रही, जिसमें बोलैंड के नाबाद 15 रन शामिल थे। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 5, मोहम्मद सिराज ने 3 और रवींद्र जडेजा ने 1 विकेट लिया। भारत ने पहली पारी में 369 रन बनाए, नीतीश रेड्डी का शतक, यशस्वी और वाशिंगटन सुंदर ने लगाया अर्धशतक इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में नीतीश रेड्डी के शतक, यशस्वी जयसवाल और वाशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 369 रन बनाए। नीतीश ने 114 रन बनाए, जबकि यशस्वी ने 82 और सुंदर ने 50 रनों की महत्वपूर्ण पारियों खेलीं। इन दोनों के अलावा विराट कोहली ने 36 और केएल राहुल ने 24 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन ने 3-3 विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन, स्मिथ का शतक इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए।

# चौथी बार एटलेटिको मिनेरो के मुख्य कोच बने अनुभवी मैनेजर कूका

**रियो डी जेनेरियो**

अनुभवी मैनेजर कूका को चौथी बार एटलेटिको मिनेरो का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, ब्राजील के सेरी ए क्लब ने रविवार को यह जानकारी दी।

61 वर्षीय खिलाड़ी अर्जेंटीना के गेब्रियल मिलिटो की जगह लेंगे, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में आपसी सहमति से क्लब से नाता तोड़ लिया था।

एटलेटिको ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, ब्राजील के शीर्ष स्तर पर एटलेटिको मिनेरो के लिए सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले मैनेजर और हमारे सबसे बड़े विजेता की वापसी हुई है।

कूका, जिनका असली नाम एलेक्सी स्टिवल है, ने दिसंबर 2026 तक चलने वाले एक सौदे पर सहमति जताई। उनके साथ सहायक कुक्विन्हा और डैनियल सेर्केरा भी शामिल होंगे।

कूका ने 2011 से 2013 तक और 2021 और 2022 में अलग-अलग अवधियों के दौरान क्लब का प्रबंधन भी किया। बेलो होरिज़ोंटे क्लब के साथ उनकी ट्रॉफियों की सूची में 2013 कोपा लिबर्टाडोरेस और 2021 ब्राज़ीलियाई सीरी ए खिताब शामिल हैं।

एटलेटिको 2024 ब्राज़ीलियाई सीरी ए स्टैंडिंग में 12वें स्थान पर रहा और इस साल के कोपा लिबर्टाडोरेस में बोटाफोगो के बाद उपविजेता रहा।

### बीसीसीआई सीनियर वूमेन वनडे चैलेंजर ट्रॉफी: हिमाचल की यमुना राणा का ई टीम में चयन

**धर्मशाला।** बीसीसीआई सीनियर वूमेन वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए हिमाचल की यमुना राणा का चयन हुआ है। यमुना राणा ई टीम का हिस्सा बनी है। यमुना हिमाचल से एकमात्र क्रिकेटर है जिनका चयन इस बार इस प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उधर उनके चयन पर एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि 5 जनवरी से शुरू हो रही बीसीसीआई सीनियर वूमेन वनडे चैलेंजर्स ट्रॉफी की टीम के लिए यमुना राणा का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि एचपीसीए के लिए बड़े गर्व की बात है कि हिमाचल की यह क्रिकेटर सीनियर वूमेन क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने वाली है। उन्होंने एचपीसीए की ओर से बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की है। गौरतलब है कि बीसीसीआई सीनियर वूमेन वनडे चैलेंजर्स ट्रॉफी 5 जनवरी से 15 जनवरी तक चेन्नई में खेली जानी है। प्रतियोगिता के लिए पांच अलग अलग टीमें बनाई गई है। जिनके आपस में लीग मैच होने हैं। 15 जनवरी को फाइनल मैच होगा।

## यनाइटेड कप

पर्थ में जर्मनी के एलेकजेंडर ज्वेरेव 2025 यनाइटेड कप टेनिस में खेलते हुए।

# यशस्वी को आउट दिये जाने पर भड़के गावस्कर बोले, तकनीक का इस्तेमाल ही नहीं करें

**मेलबर्न**

**भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के कैच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यशस्वी को मैदानी अंपायर ने ऑउट नहीं दिया था पर तीसरे अंपायर ने फैसला बदल कर पेवेलियन भेज दिया।**

विवाद का कारण ये है कि रीयल टाइम सिनिको, जिसमें देखा जाता है कि अगर बल्ले या गेंद का कोई संपर्क हुआ है तो उसमें एक स्पाइक आएगा वहीं अगर नहीं आया है तो बल्लेबाज आउट नहीं होगा। यशस्वी के मामले में इसपर अमल नहीं किया गया। मैदानी अंपायर के फैसले को तीसरे अंपायर ने पलटते हुए कहा कि गेंद ग्लव्स से लगकर डिफ्लेक्ट हुई है। इससे नाराज भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि तकनीक का प्रयाग हीं नहीं करें। भारतीय टीम की दूसरी पारी में जब यशस्वी जायसवाल और वॉशिंगटन सुंदर बल्लेबाजी कर रहे थे तभी एक शॉर्ट गेंद पर यशस्वी ने शॉट लगाया। इसपर गेंद और बल्ले का संपर्क नहीं हुआ लेकिन गेंदबाजी कर रहे पैट कमिंस ने की अपील की पर मैदानी अंपायर ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद कमिंस ने सीधे ही रिव्यू मांग जिसके बाद तीसरे अंपायर ने एंगल देखा पर कुछ अंदाज नहीं लगा। इसके अलावा रीयल टाइम सिनिको में भी कुछ हलचल दिखाई नहीं दी। बाद में एक एंगल से अंपायर ने पाया कि गेंद ग्लव्स से लगकर गयी है और उन्होंने यशस्वी को आउट दे दिया। गावस्कर ने साफ किया कि जब आपके पास पक्के सबूत नहीं है तो आप मैदानी अंपायर के फैसले को बदल नहीं सकते उन्होंने कमेंट्री करते हुए कहा, ये नजर आ धोखा हो सकता है। अगर आप तकनीक पर विश्वास नहीं करते तो इस तकनीकि को रखिए ही मत।

# संतोष ट्रॉफी : खिताबी मुकाबले में केरल का सामना पुराने प्रतिद्वंद्वी पश्चिम बंगाल से

**हैदराबाद**

**केरल ने रविवार को गाचीबोवली स्टेडियम में मणिपुर को 5-1 से हराकर 16वीं बार संतोष ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया, जहां खिताबी मुकाबले में उनका सामना पुराने प्रतिद्वंद्वी पश्चिम बंगाल से होगा। मुहम्मद रोशल पीपी की हैट्रिक ने केरल की टीम के शानदार प्रदर्शन को और भी बेहतर बना दिया, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।**

दिन के पहले सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल ने गत विजेता सर्विसेज को 4-2 से हराकर 47वीं बार फाइनल में प्रवेश किया।

पहले हाफ में केरल ने पहले हमला किया, उनके शानदार मिडफील्ड खेल ने 22वें मिनट में फायदा पहुंचाया। लगातार खेल को बदलने वाले कुछ पास के बाद, और मणिपुर के मिडफील्ड को आकार से बाहर खींचने के बाद, मोहम्मद रियास ने मोहम्मद अजसल की ओर गैप में एक थ्रू बॉल खेला। फॉरवर्ड ने गेंद को आगे जाने दिया, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि उनके सहायक फॉरवर्ड नसीब रहमान आगे की ओर दौड़ेंगे। रहमान ने 25 गज की दूरी पर गेंद उठाई, बॉक्स में घुसे, गोलकीपर को चकमा दिया और गोल कर केरल को 1-0 से आगे कर दिया।

मणिपुर को टूर्नामेंट में पहले भी पिछड़ना पड़ा था और वापसी करना उनके लिए कोई नई बात नहीं थी। और ऐसा ही हुआ। 30वें मिनट में, शुंजंतन रागुई ने पेनल्टी को गोल में बदलकर मणिपुर को 1-1 की बराबरी दिला दी।

खेल की उथल-पुथल भरी गति हाफ टाइम के अंतिम चरण में भी जारी रही। पहले हाफ के इंजरी टाइम में मुहम्मद अजसल ने बेहतरीन गोल कर केरल को 2-1 से आगे कर दिया।

मध्यांतर तक केरल की टीम 2-1 से आगे रही।

मैच के 73वें, 88वें मिनट में नए खिलाड़ी मोहम्मद रोशल ने लगातार दो गोल कर केरल को 4-1 से आगे कर दिया और मणिपुर सेमीफाइनल में हार के कगार पर पहुंच गया।

रोशल ने इंजरी टाइम में पेनल्टी के जरिये गोल कर मैच में अपनी हैट्रिक पूरी की और केरल को मणिपुर पर 5-1 से शानदार जीत दिलाई।

# जब चाहें तब बुनें मनचाहा स्वैटर

नवम्बर का महीना आते ही ऊन और सलाइयां हाथों में दिखाई देने लगते हैं. कल्पना में तरहतरह के स्वैटरों के डिजाइन आते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम अपनी कल्पना के डिजाइन को मूर्त रूप नहीं दे पाते. आइए, हम आप की इस समस्या का हल करते हैं. बुनाई बहुत अच्छी थेरैपी है, जो चिंता को दूर कर एकाग्रता लाती है. बुनाई की इतनी विविधताएं हैं कि सही ज्ञान के अभाव में हम वही डिजाइन थोड़ाबहुत इधरउधर कर बना देते हैं. जैसे ड्रैस में डिजाइन का कोई अंत नहीं उसी तरह स्वैटर भी तरहतरह के डिजाइन के बनाए जा सकते हैं. यहां हम आप के लिए ले आए हैं कुछ उपयोगी जानकारी जिस पर अमल कर के आप बुनाई कला में पारंगत हो जाएंगी. हाथ के बने स्वैटर बुटीक में महंगे मिलते हैं. इसलिए क्यों न थोड़ी सी मेहनत कर के कम खर्च में घर पर ही स्वैटर बनाएं.

हमेशा वर्धमान, ओस्वाल आदि किसी अच्छी कंपनी का ऊन इस्तेमाल करें. बच्चों के लिए बेबी वूल लें ताकि स्वैटर नरम बनें. सस्ते के चक्कर में न पड़ें वरना मेहनत व्यर्थ हो जाएगी.

- ऊन हमेशा स्वैटर से ज्यादा लें. एक व्यक्ति के हाथों से बुनाई हो तो अच्छा रहता है. कई हाथों में जाने से कसावट में फर्क आ जाने से स्वैटर की सुंदरता बिगड़ जाती है.
- डिजाइन के अलावा आप केबल, साबूदाना पैटर्न, जिगजैग डिजाइन डाल कर स्वैटर को सुंदर बना सकती हैं.
- 5-6 तरह के स्वैटर खुद आसानी से बना सकती हैं. बस, थोड़े ध्यान और जानकारी की जरूरत है.
- स्वैटर पर अगर मोती, स्टोंस और नग लगा कर बनाएं तो स्वैटर बाजार के स्वक्टर जैसा लुक देगा. आप इस स्वैटर को किसी भी पार्टी में पहन कर जा सकती हैं.
- स्वैटर पर मोती लगाते समय हमेशा बारीक सूई का इस्तेमाल करें.
- नग या मोती लगाने के लिए स्वैटर के रंग का धागा इस्तेमाल करें.
- जब भी मोती या नग टांकें तो टांकने के बाद स्वैटर के अंदर की तरफ से धागे से अलग से बांध दें ताकि मोती खुलने न पाएं.
- आप इसी प्रकार डिजाइन में भी मोती, स्टोंस, सीपियां लगा कर स्वैटर को अलग रूप दे सकती हैं.
- ग्राफ वाला स्वैटर बनाते समय
- ग्राफ के द्वारा भी स्वैटर को सुंदर रूप दिया जा सकता है
- स्वैटर पर जिन रंगों का ऊन लगा रही हों, ग्राफ के डिजाइन में वहांवहां उसी रंग का इस्तेमाल करें. इस से स्वैटर बनाने में आसानी रहती है.

# फेशियल रिजुवेनेशन तकनीकों से दिखें युवा

उम्र बढने के साथ चेहरे पर उम्र के निशान दिखने लगते हैं, हम चाहते हैं कि समय रुक जाए। समय तो नहीं रुक सकता लेकिन अनेक आधुनिक तकनीकों की मदद से हम इन उम्र के निशानों को दूर रख सकते हैं। फेशियल रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट यानी चेहरे का कायाकल्प युवा दिखने और त्वचा पर बढ़ती उम्र के संकेतों को टालने के लिए किया जाता है। चेहरे के रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट में प्रमुख रूप से कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट, टॉपिकल ट्रीटमेंट, सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट शामिल हैं।

## कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट चेहरे के फेशियल रिजुवेनेशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन इसके साथ ही इसमें साधारण सनस्क्रीन लगाना भी बहुत मदद करता है। चेहरे को उम्रदराजी से बचाने के लिए उचित यूवीए और यूवीबी सनस्क्रीन का उपयोग करने की सलाह भी दी जाती है क्योंकि इसका रेडिएशन टाइप 1 प्रोकोलेजन को कम कर देता है। इसके अलावा चेहरे पर हार्श डिटर्जेंट और साबुन और ज्यादा गर्म पानी के उपयोग से बचना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा ड्राई हो सकती है। कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट के बाद रोजमर्रा में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल त्वचा को युवा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

## टॉपिकल ट्रीटमेंट

फेशियल रिजुवेनेशन के लिए टॉपिकल एजेंट्स की पूरी सिरीज़ उपलब्ध है लेकिन इसका असर त्वचा पर दिखे, इससे पहले आपको काफी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इनमें विटामिन सी, ट्रेटीनोइंस, अल्फा हाइड्रॉक्सिल एसिड और विभिन्न एंटीजिंग रसायनों जैसे एजेंट होते हैं।

## सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

सिस्टमिक एजेंट मूल रूप से वे होते हैं जो एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं और त्वचा को सूर्य से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इनमें विटामिन सी, विटामिन ई, कोनेजाइम क्यू, ग्रीन टीए मेलाटोनिन और सेलेनियम जैसे विभिन्न एजेंट शामिल हैं। टेस्टोस्टेरॉन और एस्ट्रोजेन जैसे हॉर्मोन भी त्वचा को जवां रखने वाले तत्व कोलेजन को बरकरार रखने में मदद करते हैं।

## थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट की पूरी सिरीज़ है जिसमें आपकी स्किन को देखकर तय किया जाता है, कि कौन सा उपचार आपके लिए सही रहेगा। इसमें केमिकल पील्स, माइक्रोडर्माब्रेज़न, अंडर्मोलोजी, बोट्यूलिनम टॉक्सिन, ह्यूलूरोनिक एसिड फिलर्स, सॉफ्ट टिश्यू ऑग्मेंटेशन, लेजर, इंटेंस पल्स लाइटए नॉन एब्लेटिव आरएफए फ्रेक्शनल फोटोथर्मोलिसिस, एलईडी फोटोमोड्यूलेशन शामिल हैं।

## केमीकल्स पील्स

पील त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक तकनीक है, जिसके जरिए धब्बेदार और सूरज से क्षतिग्रस्त त्वचा को सुधारा जाता है। इसमें बिना सर्जरी और दर्द के त्वचा की बाहरी परत से डेड स्किन को हटाया जाता है। यह प्रक्रिया त्वचा को एक समान रंगत देती है तथा दाग-धब्बों को कम करती है। त्वचा के विश्लेषण के आधार पर सही पील का चयन किया जाता है। आजकल ज्यादातर पील जेल के रूप में उपलब्ध हैं, इसलिए इनके दुष्प्रभाव की आशंका कम होती है। इंस्टा स्कल्प्ट की कॉस्मेटिक फिजीशियन डॉ. मंजरी पुराणिक का कहना है कि डर्मा पील के जरिए त्वचा की सामान्य समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, जैसे कि- मुहांसे, पिगमेंटेशन, काले घेरे, झुर्रियां, टैनिंग, त्वचा की असमान रंगत और बनावट, इत्यादि। इस प्रक्रिया में लगभग 20 से 30 मिनट का समय लगता है जो त्वचा की संवेदनशीलता पर निर्भर है और इस प्रक्रिया को पूरा होने में 8 से 12 दिनों का समय लगता है। त्वचा और जरूरत के आधार पर पील्स मूल रूप से तीन तरह की होती हैं-

## सुपरफीशियल पील्स

यह त्वचा की ऊपरी परत पर काम करता है और इसका निचली परतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है। इससे त्वचा तुरंत मुलायम और चमकदार हो जाती है। कुछ सुपरफीशियल पील त्वचा की निचली परत पर भी असर कर सकते हैं। सुपरफीशियल पील का उपयोग मुहांसों को कम करने, फोटो एजिंग, हाइपर पिगमेंटेशन रिजुवेनेशन (दमकती त्वचा) के लिए किया जाता है।

# रोजमर्रा की ऐसी आदतें कि 40 की उम्र पर पछताना न पड़े

20 वर्ष की आयु वह आयु है, जब आप पढ़ाई के अंतिम सालों में होते हैं। ऐसे में सामने आपका करियर या तो अच्छी तरह से बना-बनाया दिखाई देता है या फिर कुछ समझ नहीं आ रहा होता है कि आगे करें तो क्या करें.... ऐसे में पेश हैं कुछ ऐसे सुझाव, ताकि आपका करियर तो अच्छा बने ही, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आप ठीक रहें, ताकि जब आपकी उम्र 40 की हो जाए, तब आप यह न सोचें कि काश 20 की उम्र से हमने ऐसा किया होता........

## जल्दी उठने की आदत

सूर्योदय से पहले यानी सुबह 5 बजे उठना स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसी तरह से सोने का सही समय है रात को 10.30 बजे का। ऐसा करने से आप पूरे दिन में अपने टाइम को इफेक्टिवली मैनेज कर सकते हैं। ऐसे में आपके पास पूरे दिन की तैयारी का भी खासा समय रहेगा।

## प्रार्थना

प्रार्थना यानी प्रेयर किसी भी लक्ष्य के प्रति आपके निश्चय को बढ़ावा देती है। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप सिर्फ प्रार्थना ही करते रहें। आप अपने लक्ष्य के अलावा अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए भी प्रार्थना कर सकते हैं।

## व्यायाम

रोजाना करीब 15 मिनट का व्यायाम करना आपके स्वास्थ्य को सही बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। व्यायाम का मतलब हैवी जिम नहीं है, लेकिन आपको सिंपल स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज या सुबह-सुबह जॉगिंग करना चाहिए। इसके बाद कुछ देर आपको ऐसी जगह मॉर्निंग वॉक करनी चाहिए जहां काफी पेड़-पौधे हों, क्योंकि इससे ऑक्सीजन की कमी से संबंधित समस्याएं कम होंगी।

## सोशल मीडिया से दूरी

सीरियसली, अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना चाहते हैं तो आपको फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया से दूरी बनानी होगी। यह सभी साइट्स इस तरह से बनाई जाती हैं, ताकि यह लोगों को अपनी ओर खींच सकें। और यह कुछ और नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के युवाओं को उनके लक्ष्य से दूर करके डिप्रेशन पैदा करने का काम कर रही हैं।

## स्टडी और टाइम मैनेजमेंट

अपने क्षेत्र की पढ़ाई के लिए आपको रोजाना कम से कम चार घंटे का समय रखना चाहिए। अगर आप चार घंटे पढ़ाई नहीं कर सकते तो रोज कम से कम 2 घंटे की पढ़ाई तो बनती ही है, अगर आप नहीं चाहते कि 40 की उम्र पर जाकर आपको पछताना पड़े।

## गालियां न दें

कुछ भी हो जाए, किसी को गाली न दें। इस बात का पूरा ध्यान रखें, आप अपने अंदर एक नया इंसान पाएंगे।

## दूसरों की सलाह लें

हमेशा दूसरों से सलाह लें, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप उससे सहमत भी हों और उसे मानें। कोई सलाह दे रहा हो तो उससे बहस न करें। सिर्फ वही करें जो आपको सही लगता हो।

## सभी का आदर करें

अगर आप दूसरों का आदर करेंगे तभी आपको भी आदर मिलेगा। अपने से बड़ों की, अपने पैरेंट्स की रेस्पेक्ट तो सभी करते हैं, आप अपने से छोटों की भी रेस्पेक्ट करें।

## ध्यान से सुनें

जब आप किसी व्यक्ति की बात सुन रहे हों तो कभी भी उसका स्टेटस देखकर उसके बारे में राय न बनाएं। वो जो कह रहा है, उसे सुनें।

# तांबे के बर्तनों से एक नहीं अनेक हैं फायदे

धातुओं में सोना, चांदी के बाद तीसरे स्थान पर तांबा आता है। मगर गुणों में तांबा नंबर एक है। भले ही आज स्टील का बोलवाला है। चम्मच, कटोरी, गिलास, थाली, कलछी, पतीला, ट्रे आदि बर्तन रसोई घर की शान हैं। ये चमचमाते बर्तन दुकानों पर हाथों-हाथ बिकते हैं। दीवाली के दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। उस रोज बर्तनों की दुकानों पर भारी भीड़ होती है। आज से 60-70 वर्ष पूर्व रसोई में तांबे के बर्तन प्रयोग में लाए जाते थे। उन दिनों आज की अपेक्षा व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता था। वास्तव में तांबा स्वास्थ्य के लिए रामबाण है।

- विदेशों में हुए शोध से यह बात सामने आई है कि तांबा पेट के रोगों की अचूक दवा है।
- तांबे के बर्तन में पका खाना और तांबे के लोटे में रात्रि को रखा पानी प्रात: उठकर पीने से पेट के कृमि समाप्त हो जाते हैं तथा पेट से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं।
- तांबा ऊष्मा का सुचालक है। इस धातु के पात्र में भोजन जल्दी पकता है और ईंधन की भी बचत होती है अर्थात् आम के आम गुठलियों के दाम वाली कहावत यहां चरितार्थ होती है।
- तांबे के पात्र में पकाए भोजन में तांबे का कुछ भाग हमारे पेट में जाता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
- तांबे के पात्र में रखे भोजन को हर ओर से समान ताप मिलता है। इससे भोजन का स्वाद बढ़ जाता है तथा यह अधपका नहीं रहता।
- इस धातु के पात्रों की अन्य धातुओं के पात्रों से अधिक मजबूती की गारंटी रहती है। इन बर्तनों का कई वर्षों तक उपयोग किया जा सकता है।
- तांबे के पात्रों में एसिड वाले पदार्थ पकाने से भोजन का जायका खराब हो जाता है। इसलिए अमलीय पदार्थों को तांबे के पात्र में नहीं पकाना चाहिए। कसैला स्वाद आपके भोजन का मजा किरकिरा कर सकता है।

# इन जगहों के मजेदार खाने के साथ लें घूमने का मजा

आप घूमने फिरने की शौकीन हैं, जब भी मौका मिलता है अपने परिवार के साथ मनपसंद जगहों की सैर पर निकल पड़ती हैं। घूमने के साथ-साथ आपको जिस जगह जहां जा रही हैं, वहां पर मिलने वाले खास भोजन खान अच्छा लगता है, लेकिन चाह कर भी आप वहां के स्थानीय भोजन का स्वाद नहीं ले पाती हैं, इसका कारण जानकारी का अभाव है। आप जहां जा रही हैं, वहां पर कौन-से खास भोजन मिलते हैं और उन्हें कहां से खाना चाहिए की जानकारी इकट्ठी करके जायें, तो आपके घूमने का मजा दुगुना हो जायेगा आप खूबसूरत जगहों की सैर करने के साथ-साथ वहां के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद भी ले सकती हैं।

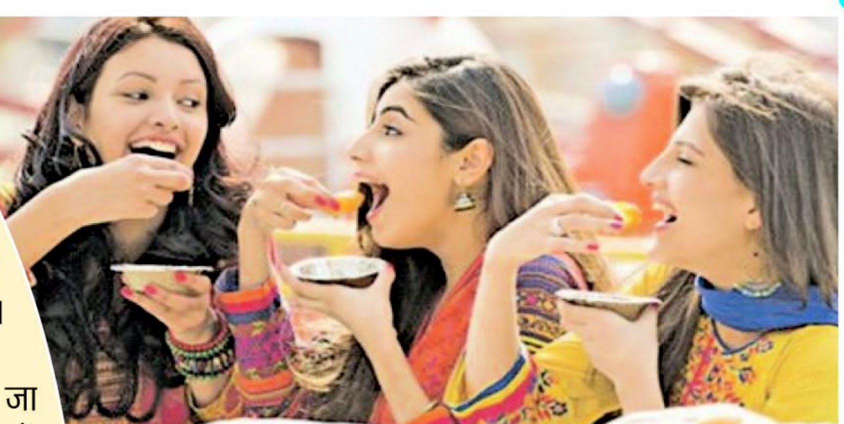

## मुंबई का वड़ा-पाव

इस मौसम में समुद्री जगहों पर घूमने का आनंद ही कुछ और होता है वहां पर मैदानी इलाकों की तरह कंपकंपाती सर्दी और कुहरे का सामना नहीं करना पड़ता है। अगर आप अपने परिवार के साथ मुंबई घूमने जा रही हैं, तो फिर वहां के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना न लें। भले ही आपको हर जगह भेलपूरी मिल जाती है, लेकिन मुंबई बीच पर मिलने वाली भेल का स्वाद ही कुछ अलग होता है। भेल के साथ-साथ वड़ा-पाव, उसल पाव, बॉम्बिल फ्राई, सैंडविच, फलूदा फैंकीस का मजा लेना न भूलें। मुंबई के बीच के पास स्थित ढाबे और होटल में मिलने वाले सी फूड का स्वाद ही अलग होता है। आप बड़े-बड़े होटलों के बजाये छोटे रेस्टोरेंट और ढाबे पर खायें यहां मिलने वाले खाने का स्वाद ज्यादा अच्छा होता है।

## बनारस की चाट

बनारस के घाट का पवित्र वातावरण, बनारसी साडि?ां, कांच की रंग-बिरंगी चूडि?ों के साथ वहां मिलने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद अनायास ही पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। आप अपने परिवार के साथ बनारस घूमने गई हैं, तो वहां से बनारसी साडि?ां खरीदने के साथ-साथ गंगा घाट और आस-पास मिलने वाले चाट और गोलगप्पे का स्वाद लेना न भूलें। जैसे गोलगप्पे यहां मिलते हैं और कहीं पर भी नहीं मिलते हैं। जाड़े में यहां पर दूध जलाकर राबड़ी बनाई जाती है, जिसे जलेबी के साथ परोसा जाता है अगर आप मीठा खाने के शौकीन हैं, तो सुबहे बनारस रेस्टोरेंट में इसे खाना न भूलें। नॉनवेजिटेरियन लोगों के लिए यहां पर होटल ललन, मदनपूरा में खासतौर पर चिकन टिक्का और अचारी मुर्ग मिलता है, जिसका स्वाद अद्भुत होता है।

## दिल्ली का लाजवाब स्वाद

दिल्ली में घूमने की खूबसूरत ऐतिहासिक जगहों के साथ-साथ यहां का खाना भी लाजवाब है। दिल्ली में आपको कम से कम दाम में खाने की बेहतरीन चीजें मिल जायेंगी। चांदनी चौक के परांठे वाली गली में मिलने वाले परांठे बेहद मसहूर हैं। दुनिया भर से आने वाले पर्यटक इसका स्वाद लेना नहीं भूलते यहां पर आपको वेज और नॉनवेज परांठों की ढेरों वेरायटी मिलेगी। रमजान के मौके पर यहां पर खासतौर से नहारी या हलीम और कबाब का स्वाद लाजवाब होता है। दिल्ली के छोले-भठूरे और चाट, टिक्की, दही भल्ले, आलू की चटपटी चाट बेहद मसहूर है। ये सारी चीजें आपको हर जगह मिल जायेंगी दिल्ली घूमने आई हैं, तो इन सारी चीजों का स्वाद लेना ना भूलें।

## अरुणाचल प्रदेश की तिब्बती डिश

अगर आप घूमने-फिरने के साथ-साथ अलग-अलग तरह के खाने की शौकीन हैं, तो फिर एक बार अपने परिवार के साथ अरुणाचल प्रदेश की सैर पर निकल जाईये यहां मिलने वाले खाने का स्वाद अद्भुत स्वाद होता है। यहां पर चावल से बनने वाली बीयर अपांग खास है। इसके अलावा तिब्बती डिश थुकपा यहां पर मिलने वाला खास व्यंजन है। यहां आपको मीट और मछली के साथ चावल ही खाने को मिलेगा। यहां बनने वाले व्यंजनों में चावल का इस्तेमाल खासतौर पर होता है।

## नहीं भूलेंगे हैदराबादी बिरयानी

हैदराबाद में बनने वाले नॉन वेजिटेरियन व्यंजनों की अलग-अलग वेरायटी मसलन मुगलई, तुर्कीस और अरैबिक मिलती है। यहां मिलने वाले व्यंजनों का स्वाद मुंह में घुल जाने वाला होता है। हैदराबादी बिरयानी की धूम हर जगह है भले ही यह आपको हर जगह खाने को मिल जाये, लेकिन हैदराबाद में मिलने वाली, चिकन और मटन बिरयानी का स्वाद ही अलग है। बिरयानी के साथ-साथ यहां के खास व्यंजनों में हलीम पाया, हैदराबादी मरग है। यहां मिलने वाली कच्चे गोस्त की बिरियानी खास है।

## आनंद की नगरी कोलकाता

खाने की जितनी वेरायटी आपको सिटी और ज्वॉय के नाम से मसहूर में मिलेगी अन्य कहीं मिलना मुस्किल है। फिर चाहे स्ट्रीट फूड हो स्वीट मीट हो या फिर अन्य व्यंजन यहां पर इसकी ढेरों वेरायटी मिलती है। ऐसा नहीं है कि यहां पर स्थानीय फूड की बहुतायत है यहां पर आपको चाइनीज, मुगलई, इटेलियन सभी तरह के व्यंजन रिजनेबल दाम में मिल जायेंगे। तिरेता बाजार में मिलने वाले तिब्बती फूड और चाइनीज फूड का स्वाद अद्भुत होता है। अगर आप कोलकाता की सैर पर निकली हैं, तो फिर विवेकानंद पार्क में मिलने वाले आलू फुचका और मित्रा कैफे में मिलने वाले कबीरजी कटलेट जरूर खायें। यहां पर अलग-अलग तरह के भरवां परांठे भी मिलते हैं, जो बेहद स्वादिष्ट होते हैं। सरसो में बनी कोलकाता की हिल्सा मछली और भेंटुकी फ्राई का स्वाद लेना न भूलें।

# रेसिपी

## बटाटा वड़ा

### सामग्री

250 ग्राम आलू उबले, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच राई, 5-6 करीपत्ते, 2 बड़े चम्मच प्याज बारीक कतरा, 1 छोटा चम्मच अदरक व हरीमिर्च बारीक कटी, 1/4 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1 बड़ा चम्मच नीबू का रस ,1/2 छोटा चम्मच चाटमसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर ,2 छोटे चम्मच रिफाइंड औयल , 1 कप वड़ा पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1/2 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच तिल ,बटाटा फ्राई करने के लिए पर्याप्त रिफाइंड औयल , नमक स्वादानुसार

### विधि

आलुओं को मोटामोटा फोड़ लें. एक नौनस्टिक कड़ाही में तेल गरम कर के जीरा, राई व करीपत्ते डालें. फिर प्याज, अदरक व हरीमिर्च डाल कर पारदर्शी होने तक भूनें. फिर हलदी पाउडर डाल कर आलुओं को भून लें. इस में नमक, मिर्च व नीबू का रस डालें. ठंडा कर के नीबू से थोड़े बड़े गोले बना लें. वड़ा पाउडर में पानी डाल कर गाढ़ा घोल बनाएं. इस में तिल और धनियापत्ती मिक्स करें. गरम तेल में प्रत्येक गोले को वड़ा पाउडर के घोल में लपेट कर गरम तेल में डीप फ्राई करें. बटाटा वड़े तैयार हैं.

## लौकी- मटर शोरबा

### सामग्री

लौकी 1 किलो, फ्रोजन मटर 1 कप, टमाटर (छिले) 3-4, बटर 2 बड़े चम्मच, दालचीनी 2 इंच, धनिया पाउडर 1 बड़ा चम्मच, सौंफ पाउडर ½ छोटा चम्मच, ताजी धनिया पत्तियां (कटी) पुदीने की पत्तियां (कटी) 1 छोटा चम्मच, कालीमिर्च पाउडर ¼ छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार,क्रीम ½ कप।

### विधि

प्रेशर कुकर में बटर गरम करें। इसमें दालचीनी डालें जब इसकी खुशबू आने लगे तब इसमें लौकी और मटर डालकर 2 मिनट तक भूनें। अब सारी सामग्री (सिर्फ क्रीम छोड़कर) को एक-एक करके 2 मिनट के लिए भून लें। इसमें एक कप पानी डालकर कुकर को बंद करें और एक सीटी आने तक पकाएं। अब कुकर को ठंडा होने दें और सारी सामग्री बाहर निकालें। अब इसे छान लें और सूप निकाल लें। इसमें क्रीम डालें और पुदीने की ताजी पत्ती के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**